विज्ञापन हेतु डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

सक्षम उत्तराखण्ड

www.sakshamuttarakhand.com

वर्ष-15, अंक- 45 | देहरादून, बुधवार 22 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- 1 रुपए

भगवान राम हमें धर्म व न्याय के रास्ते पर चलने की प्रेरणा देते हैं

- पीएम मोदी बोले-ऑपरेशन सिंदूर में हमने अन्याय का बदला लिया है

दीपावली पर 'देश के नाम लेटर' में श्री राम से प्रेरणा लेने की बात कही

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देश के नाम अपने पत्र में लोगों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा- यह दीपावली अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद दूसरी दीपावली है। पीएम ने भगवान श्री राम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही। मोदी ने कहा कि राम हमें धर्म और न्याय के रास्ते पर चलने और अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देते हैं। मोदी ने लेटर में हाल ही में हुए ऑपरेशन सिंदूर का भी जिक्र किया। मोदी ने देश के कई जिलों, विशेष रूप से दूरदराज के इलाकों में नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद के खात्मे को एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस दीपावली पर इन क्षेत्रों में पहली बार दीप जलाए जाएंगे, जो शांति और विकास का

प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि कई लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं और भारत के संविधान में विश्वास जता रहे हैं। यह देश के लिए एक बड़ा कदम है। **मोदी ने लेटर में दीवाली का संदेश दिया–** मोदी ने अंत में लिखा कि दीपावली हमें यह भी सिखाती है कि जब एक दीपक दूसरे दीपक को जलाता है, तो उसका प्रकाश कम नहीं होता, बल्कि और बढ़ता है। उन्होंने कहा कि इसी भावना के साथ, आइए इस दीपावली पर हम अपने समाज और आस-पास सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता के दीप जलाएं। लेटर जारी करने से पहले मोदी ने सोमवार को नौसैनिकों के बीच दीवाली मनाई।

आने वाले दिनों में हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था होंगे– प्रधानमंत्री ने हाल ही में शुरू हुए अगली पीढ़ी के सुधारों का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि नवरात्रि के पहले दिन कम जीएसटी दरें लागू की गईं, जिसके तहत जीएसटी बचत उत्सव के माध्यम से देशवासियों को हजारों करोड़ रुपए की बचत हो रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कई मुश्किलों के बीच भारत स्थिरता और संवेदनशीलता का प्रतीक बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि हम आने वाले दिनों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। मोदी ने कहा कि एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा में, एक नागरिक के रूप में हमारी जिम्मेदारी राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करना है। उन्होंने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने नागरिकों की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए कहा कि हर आदमी की छोटी–सी कोशिश देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

नाबालिग के साथ यौन-अपराध में थोड़ा भी पेनिट्रेशन बलात्कार

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला-नाबालिग की सहमति होने पर भी यह जुर्म

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने पॉक्सो के मामले में फैसला सुनाते हुए कहा, नाबालिग के साथ यौन अपराध में थोड़ा सा भी पेनिट्रेशन बलात्कार माना जाएगा। ऐसे मामलो में नाबालिग की सहमति का भी कोई महत्व नहीं होगा। जस्टिस निवेदिता मेहता ने आरोपी की

अपील खारिज करते हुए 10 साल की सजा और 50 हजार जुर्माने की सजा बरकरार रखी। उन्होंने कहा- बच्चियों, उनकी मां के बयानों, मेडिकल-फोरेंसिक सबूतों से जुर्म साबित हुआ है। जस्टिस मेहता ने कहा कि 15 दिन बाद हुए मेडिकल जांच में बच्चियों के निजी अंगों पर चोट न मिलने से आरोपी की हरकत को 'कोशिश' मानकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि बयान भरोसेमंद थे।

आरोपी का दावा- पारिवारिक दुश्मनी के कारण फंसाया

आरोपी ने पारिवारिक दुश्मनी के आधार पर झूठा फंसाने का दावा किया, लेकिन कोर्ट ने इसे सबूतों के अभाव में खारिज कर दिया। एफआईआर दर्ज करने में देरी को भी कोर्ट ने सही माना। कोर्ट ने कहा कि बच्चियां बहुत छोटी थीं और आरोपी ने उन्हें धमकाया था। हाईकोर्ट ने अपने फैसले में ट्रायल कोर्ट की एक गलती को भी सुधारा। ट्रायल कोर्ट ने जब इस मामले में सजा सुनाई थी, तो 2019 के संशोधित पॉक्सो एक्ट के तहत सजा दी गई थी। हाईकोर्ट ने इसे गलत बताते हुए कहा कि जब अपराध 2014 में हुआ था सजा भी उस वक्त के कानून के आधार पर मिलेगी। हाईकोर्ट ने कहा कि यह अपराध 19 फरवरी 2014 को हुआ था, इसलिए सजा दी जानी चाहिए।

एयरफोर्स रैंकिंग में ड्रैगन को पछाड़ आगे निकला भारत

बौखलाया चीनी मीडिया, कहा-रैंकिंग कागजों पर नहीं, क्षमताओं के आधार पर होनी चाहिए

बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की एयरफोर्स पावर की एक नई रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और रूस हैं, जबकि चीन चौथे स्थान पर है। इसे लेकर चीन का सरकारी मीडिया बौखला गया है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी मिलिट्री एक्सपर्ट झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक युद्ध क्षमता ही किसी सेना की असली ताकत दिखाती है, कागज पर दिखाया गया आंकड़ा नहीं। ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि भारतीय वायुसेना अपने विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और बाकी देशों से खरीदती है। इससे पता चलता है कि भारत की विदेश और सुरक्षा नीतियां कितनी जटिल हैं। झांग ने कहा कि अमेरिकी और भारतीय मीडिया की हाइप का मकसद चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना हो सकता है और यह गलतफहमी की खतरनाक चेन शुरू कर सकता है।

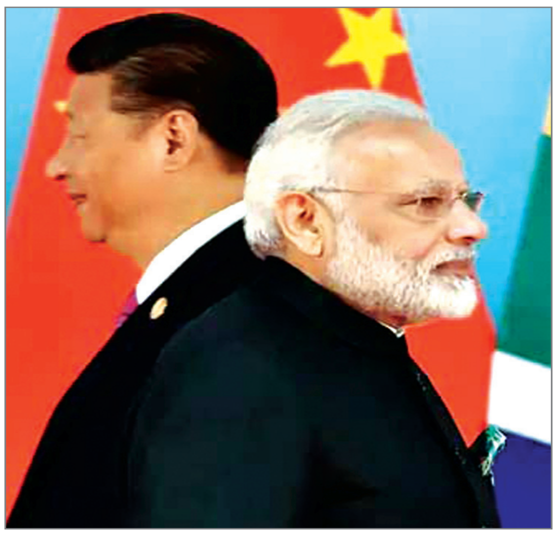

भारत के पास विमान कम, ऑपरेशन क्षमता ज्यादा

भारत के पास कुल विमानों की संख्या चीन से कम है, लेकिन ऑपरेशन क्षमता कहीं अधिक है। इसका कारण है भारतीय वायुसेना का संतुलित बेड़ा, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक हथियार प्रणाली। भारत के पास 1,716 एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें 31.6 फीसदी फाइटर जेट्स, 29 फीसदी हेलीकॉप्टर और 21.8 फीसदी ट्रेनर एयरक्राफ्ट शामिल हैं। भारत ने पायलट ट्रेनिंग, फ्लेक्सिबल डिप्लॉयमेंट और क्विक मिशन एक्जीक्यूशन पर फोकस किया है। इसे बैलेंस्ड माना गया है। वहीं, चीन के पास 3,733 एयरक्राफ्ट हैं, इनमें 68.7 फीसदी फाइटर्स, 24.4 फीसदी हेलीकॉप्टर और 10.7 फीसदी टेनर्स है। चीन के पास बहुत सारे लड़ाकू विमान हैं, लेकिन ट्रेनर और हेलीकॉप्टर की संख्या कम है। ऐसे में उसकी गुणवत्ता और संचालन क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर मानी गई है। रैंकिंग में चीन से 5 पाइंट आगे भारत यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिटरी एयरक्राफ्ट ने बनाई है। यह संस्था दुनिया के 48 हजार से ज्यादा विमानों पर नजर रखती है। रैंकिंग में 103 देशों और 129 एयर सर्विसेज (आर्मी, नेवी और मरीन एविएशन ब्रांच) को शामिल किया गया है। न्यूजवीक के मुताबिक, रैंकिंग में भारत का ऊपर आना एशिया के रणनीतिक संतुलन में बदलाव का संकेत है। इसमें सिर्फ विमानों की संख्या नहीं देखी जाती, बल्कि कई कारक शामिल होते हैं। इनमें प्रमुख हैं; इसका मतलब है कि एक देश की एयरफोर्स सिर्फ ज्यादा विमान होने से नहीं, बल्कि संतुलित बेड़ा, आधुनिक हथियार और अलग–अलग तरह की ऑपरेशन क्षमता होने से उच्च रैंक हासिल कर सकती है। यही कारण है कि भारत, चीन से कम विमानों के बावजूद तीसरी सबसे ताकतवर वायुसेना बन गया है। ग्लोबल टाइम्स चीन का एक प्रमुख समाचार पत्र और ऑनलाइन पोर्टल है। यह पीपल्स डेली का हिस्सा है, जो चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी का आधिकारिक अखबार है। ग्लोबल टाइम्स को चीन की सरकारी सोच का आइना कहा जाता है। यह अखबार और उसकी अंग्रेजी वेबसाइट दुनिया के सामने चीन की विचारधारा, विदेश नीति को पेश करने का प्रमुख जरिया है। ग्लोबल टाइम्स की स्थापना 1993 में हुई थी। इसका मुख्यालय बीजिंग में है। यह चीनी भाषा और अंग्रेजी दोनों में प्रकाशित होता है।

सेना और पुलिस अलग मिशन एक राष्ट्रीय सुरक्षा

- पुलिस स्मृति दिवस पर राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पहुंचे राजनाथ, शहीदों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पुलिस स्मृति दिवस के मौके पर मंगलवार सुबह नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, मैंने खुद गृह मंत्री के रूप में काम किया है। मुझे पुलिस के कार्यों को करीब से देखने का अवसर मिला है। इसके अलावा, रक्षा मंत्री के रूप में, मुझे सेना की कार्रवाइयों को भी करीब से देखने का अवसर मिला है। उन्होंने आगे कहा- दुश्मन कोई भी हो, चाहे वह सीमा पार से आए या हमारे बीच छिपा हो, भारत की सुरक्षा के लिए खड़ा आदमी एक ही भावना से भरा है। राजनाथ सिंह ने कहा, सेना और पुलिस के मंच अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन उनका मिशन एक ही है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा है।

2047 के भारत के लिए पुलिस की भूमिका खास– राजनाथ सिंह ने कहा- आज त्याग को याद करने का दिन है। समाज और पुलिस दोनों एक-दूसरे पर निर्भर हैं। पुलिस बलों के कंधों पर पूरे समाज की जिम्मेदारी है। समाज और पुलिस के बीच संतुलन जरूरी है।

बिहार में पहली बार इंडिया-एनडीए का सीएम फेस नहीं

महागठबंधन में खींचतान, 243 सीटों पर 254 प्रत्याशी उतारे, 12 जगह एक-दूसरे के खिलाफ ही लड़ रहे

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और आखिरी फेज के लिए नॉमिनेशन की प्रक्रिया सोमवार को खत्म हो गई। चुनाव आयोग के मुताबिक, पहले फेज के चुनाव के लिए कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में हैं। 300 से अधिक प्रत्याशियों के पर्चे खारिज हो गए। 61 प्रत्याशियों ने नाम वापस लिए। 243 सदस्यीय विधानसभा की 121 सीटों पर 6 नवंबर और दूसरे फेज की 122 सीटों के लिए 11 नवंबर को मतदान होना है। दूसरे फेज के प्रत्याशियों की स्थिति 23 अक्टूबर तक साफ होगी। दूसरे फेज के आखिरी दिन तक इंडिया गठबंधन में

फूट, टिकट बंटवारे पर नाराजगी और अंदरूनी बगावत दिखी। आरजेडी ने तो नॉमिनेशन का समय खत्म होने से 7 घंटे पहले, पहली बार 143 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। इससे पहले उसके प्रत्याशी नॉमिनेशन भरते रहे। 243 सीटों पर 254 प्रत्याशी मैदान में उतार दिए हैं। यह विकासशील इंसान पार्टी की वजह से हुआ है। आरजेडी ने 143, कांग्रेस ने 61, सीपीआई (एम) ने 20, सीपीआई ने 9, सीपीएम ने 6 और मुकेश सहनी की पार्टी ने 15 प्रत्याशी हैं। इस तरह इनकी संख्या 254 हो जाती है। 12 प्रत्याशी एक दूसरे के खिलाफ उतारे हैं। बिहार चुनाव में ऐसा पहली बार हुआ कि एनडीए और इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) ने टिकट बंटवारे को लेकर कोई ज्वाइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं की। सभी दल नॉमिनेशन के आखिरी समय तक लिस्ट जारी करते रहे। एनडीए और महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर खींचतान है। पहली बार दोनों तरफ से कोई नाम सामने नहीं आया। आरजेडी इस बार भी सबसे ज्यादा सीटों पर लड़ रही है, लेकिन कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ शीट शेयरिंग पर तनातनी दिखी।

संपादकीय

ग्रीन हाइड्रोजन: उम्मीद की रोशनी या हरे ईंधन का छलावा?

दुनिया जिस तीव्रता से जलवायु संकट की ओर बढ़ रही है, उसके बीच 'ग्रीन हाइड्रोजन' को एक ऐसे ईंधन के रूप में देखा गया जो भविष्य की ऊर्जा-व्यवस्था को नया स्वरूप दे सकता है - ऐसा स्रोत जो न तो प्रदूषण फैलाता है, न ही सीमित भंडारों पर निर्भर है. लेकिन जैसे-जैसे योजनाएं धरातल पर आईं, यह सपना कठिन और महंगा साबित होने लगा. जो हाइड्रोजन पर्यावरण को बचाने का प्रतीक माना जा रहा था, वही अब तकनीकी जटिलताओं, भारी लागत और अनिश्चित नीतियों के बोझ तले हांफता दिख रहा है. पिछले कुछ वर्षों में यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर जिस उत्साह की लहर उठी थी, वह अब थोड़ी ठंडी पड़ गई है. कई दिग्गज कंपनियां अपने प्रस्तावित प्रोजेक्टों से पीछे हटने लगी हैं. रायटर्स की ताजा रिपोर्ट बताती है कि ब्रिटिश पेट्रोलियम ने ऑस्ट्रेलिया की 55 अरब डॉलर की विशाल परियोजना को रोक दिया, फोर्टेस्क्यू मेटल्स ग्रुप ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रयोग स्थगित कर दिए, और शेल जैसी ऊर्जा कंपनियां निवेश घटाने लगीं. इसका सबसे बड़ा कारण यही बताया गया कि उत्पादन लागत अभी भी बाजार के अनुकूल नहीं है. ग्रीन हाइड्रोजन का सबसे बड़ा अवरोध इसकी लागत है. एक किलो ग्रीन हाइड्रोजन तैयार करने की कीमत 3.5 से 6 डॉलर के बीच आती है, जबकि परंपरागत ग्रे हाइड्रोजन केवल डेढ़ डॉलर प्रति किलो में उपलब्ध है. यही आर्थिक अंतर इसके विस्तार की राह में सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है. ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन की प्रक्रिया सुनने में जितनी वैज्ञानिक लगती है, व्यवहार में उतनी ही जटिल है. इसमें पानी को इलेक्ट्रोलाइसिस द्वारा हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित किया जाता है, और इस प्रक्रिया के लिए भारी मात्रा में बिजली चाहिए. यदि यह बिजली सौर या पवन स्रोतों से न मिले तो पूरा उद्देश्य ही अधूरा रह जाता है. इसके अलावा, प्रत्येक किलो हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए दस से तीस लीटर तक स्वच्छ जल चाहिए, जो जल-संकट झेल रहे देशों के लिए नई चुनौती है. तैयार हाइड्रोजन का भंडारण और परिवहन भी आसान नहीं, क्योंकि यह अत्यंत हल्की और ज्वलनशील गैस है, जिसे ऊंचे दबाव या अत्यधिक ठंडे तापमान पर सुरक्षित रखना पड़ता है. इन तमाम अड़चनों के बावजूद ग्रीन हाइड्रोजन का भविष्य पूरी तरह अंधकारमय नहीं है. ग्लोबल न्यूज वायर की रिपोर्ट बताती है कि 2030 तक उत्पादन लागत में 60-80% तक की कमी संभव है. यदि यह घटकर 1-2 डॉलर प्रति किलोग्राम तक पहुंचती है तो यह बाजार में जीवाश्म ईंधनों से प्रतिस्पर्धा कर सकेगी. भारत के लिए यह चुनौती ही नहीं, अवसर भी है. यदि ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन बढ़े तो इससे न केवल ऊर्जा-आयात पर निर्भरता घटेगी बल्कि औद्योगिक क्षेत्र को भी नई गति मिलेगी. इसी लक्ष्य के तहत भारत सरकार ने 2023 में 'राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' की शुरुआत की. इस योजना का उद्देश्य 2030 तक पांच मिलियन टन वार्षिक उत्पादन हासिल करना और भारत को इस क्षेत्र का वैश्विक केंद्र बनाना है. देश में इस दिशा में शुरुआती प्रयोग शुरू हो चुके हैं. लेह में एनटीपीसी ने विश्व की सबसे ऊंचाई पर हाइड्रोजन बसें चलाकर इतिहास रचा है. दिल्ली और फरीदाबाद में हाइड्रोजन बसों का ट्रायल सफल रहा है. चेन्नई की इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में बनी हाइड्रोजन ट्रेन ने अपनी पहली परीक्षण यात्रा पूरी की है. आंध्र प्रदेश में शुरू होने वाली 35 हजार करोड़ रु. की परियोजना देश की सबसे बड़ी ग्रीन हाइड्रोजन इकाई होगी, जहां पूरी प्रक्रिया सौर और पवन ऊर्जा से संचालित होगी. ग्रीन हाइड्रोजन को लेकर वैश्विक परिदृश्य फिलहाल विरोधाभासी है. एक ओर विकसित देश निवेश घटा रहे हैं, दूसरी ओर विकासशील देश - विशेषकर भारत - इसे अवसर के रूप में देख रहे हैं. फिर भी, कुछ बुनियादी सावधानियां बरतना अनिवार्य है. जल उपयोग पर सख्त निगरानी होनी चाहिए, ताकि हाइड्रोजन उत्पादन नए पर्यावरण संकट का कारण न बने. सुरक्षा मानकों का पालन सर्वोपरि हो, क्योंकि एक दुर्घटना पूरे क्षेत्र की विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती है. साथ ही, इलेक्ट्रोलाइजर जैसे उपकरणों का स्वदेशी निर्माण बढ़ाया जाए, ताकि तकनीकी निर्भरता कम हो और लागत नियंत्रित रहे.

भारत का बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत

भारतीय पूंजी बाजार ने पिछले एक वर्ष में पांच फीसद के आसपास का ही मुनाफा दिया जैसा कि बीएसई सूचकांक और निफ्टी में बीते वर्ष में दर्ज हुआ है। एक विमर्श यह भी है कि पूंजी बाजार में वित्तीय निवेश भारतीय बैंकों की तुलना में अधिक जोखिम भरा है क्योंकि इससे हमेशा अनिश्चितता रहती है। एक बात और अधिक ताज्जुब करने वाली है कि भारतीय कंपनियों का वित्तीय निवेश विदेश में तेजी से बढ़ रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसद बढ़ कर 36 अरब डालर तक पहुंच गया। एक पक्ष यह भी अहम है कि जीएसटी दरों में हुई कमी से उत्पादों के विक्रय मूल्य जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या संबंधित निर्माताओं ने अपने मुनाफे को कम किया है? बहरहाल, एक संतोषजनक बात देखने को मिली है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक एसबीआइ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ एमएसएमई के लिए वित्तीय ऋण को अब डिजिटल माध्यम से शुरू कर दिया है और इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवेदन करने के 45 मिनट के भीतर ऋण की मंजूरी मिल रही है।

पीएस वोहरा

अमेरिका की ओर से थोपे गए शुल्क से अब तक अनिश्चिता बनी हुई है। फिर भी बीते कुछ दिनों में देश के घरेलू बाजार में विभिन्न उत्पादों की खपत में हुई बढ़ोतरी से यह बात जरूर साफ हुई है कि भारत घरेलू मोर्चे पर वैश्विक अस्थिरता के दबाव को सहने में सक्षम हो गया है। वर्ष 2017 से चली आ रही जीएसटी की दरों में कमी के कारण यह उम्मीद बनी है कि इससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। इन दरों में कमी की जब घोषणा की गई, तो सभी ने यही समझा कि पहले की दरें वास्तव में अधिक थीं और अब इनमें कमी से आम आदमी को जरूर राहत मिलेगी। दिवाली का त्योहार अधिक से अधिक खरीदारी के लिए जाना जाता है।

इस बार भी खरीदारी को लेकर जोश दिख रहा है। जब जीएसटी दरों में सरकार ने कमी की, तो इसे देश की अर्थव्यवस्था के आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलने की बात कही गई। इस पर वैश्विक चर्चा हर भारतीय को संतोष देगी। मगर इसका विश्लेषण कई सवाल भी खड़े करता है। इस बात की भी सुगबुगाहट है कि सरकार आर्थिक नीतियों में सुधार मात्र सतही स्तर पर ही कर रही है। बुनियादी परिवर्तन अभी भी नहीं हुआ है। यह भी विचारणीय है कि आर्थिक नीतियों में सतही सुधारों से अल्पकालीन फायदे ही होने हैं। डेढ़ सौ करोड़ की जनसंख्या वाले देश में, जिसकी आधी से ज्यादा आबादी गरीब है, क्या यह उसके लिए ठीक है?

संतोष इस बात का भी है कि जब घरेलू बाजार में खपत इतनी बढ़ रही है, तो इसका प्रत्यक्ष फायदा भारत को मिलेगा। इसके अलावा जीएसटी दरों में कमी के बाद से स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी बढ़ाने का लक्ष्य भी प्रमुखता से दिख रहा है। मगर क्या आर्थिक नीतियों में इस बात पर भी जोर है कि स्वदेशी सामानों को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता के साथ घरेलू बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा? अभी तक इस पक्ष पर चुप्पी छाई है। विश्व की एक बड़ी मोबाइल कंपनी का नया उत्पाद बीते दिनों भारतीय बाजार में बड़ी मांग के साथ चर्चा में रहा।

यह भी एक परिदृश्य है। लिहाजा इस बात को अब एक नए सिरे से समझने की आवश्यकता है कि अमेरिका के थोपे गए शुल्क से भारतीय निर्यात को तो घाटा हो रहा है, लेकिन विदेशी उत्पादों की घरेलू बाजार में अत्यधिक पकड़ क्या आत्मनिर्भर भारत बनने के संकल्प के लिए एक चुनौती नहीं है? इस पर गंभीरता से विचार करना होगा। क्योंकि भारतीय बाजार में विदेशी उत्पाद के दबदबे को कम किए बिना तस्वीर नहीं बदलेगी।

यह सोचना भी गलत होगा कि जीएसटी दरों में हुई कमी से इस समय केवल भारतीय बाजार को ही मुनाफा मिल रहा है। बाजार में तो अरसे से विदेशी उत्पादों की गहरी पकड़ है। इनमें इलेक्ट्रानिक सामान, वाहन और घरेलू साज-सज्जा इत्यादि का वर्चस्व अधिक है। इसलिए यह प्रश्न भी सामने है कि दरों में हुई कटौती से जहां एक तरफ सरकार ने अपने राजस्व में बहुत बड़ी कमी की है, तो इससे क्या आने वाले वित्तीय बजट में पूंजीगत व्यय पर प्रभाव नहीं पड़ेगा? वैश्विक स्तर पर भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था है। लगभग चार ट्रिलियन डालर की हैसियत रखते हुए वह अपने कदम आगे की ओर बढ़ा रहा है। इस बात से विकसित देशों को डर है। क्योंकि भारत का बहुत बड़ा घरेलू बाजार उसकी आंतरिक ताकत है, जिसे विश्व के सभी विकसित देश अपनी पहुंच में रखना चाहते हैं।

इन सब के बीच अगर भारत आत्मनिर्भर बनने के लक्ष्य को स्वदेशी उत्पादों की खपत से मजबूती के साथ आगे ले जाने में सक्षम हो जाता है, तो सभी विकसित देशों के इरादे पर यह एक तीखा प्रहार होगा। सरकार इस उद्देश्य की तरफ बढ़ती दिख भी रही है। चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के परिणाम इस बात की पुष्टि भी करते हैं। अप्रैल से जून की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष की पहली तिमाही से एक फीसद से अधिक थी। इसी कारण भारतीय रिजर्व बैंक ने वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक वृद्धि दर बढ़ा कर 6.8 फीसद कर दी है। स्पष्ट है कि सरकार की आर्थिक नीतियों और केंद्रीय बैंक में बेहतर समन्वय है।

इन सब के बीच भारत की आर्थिक तरक्की में कुछ बाधाएं भी हैं। इनमें सबसे मुख्य निजी निवेश में बढ़ोतरी न होना है। हालांकि, सरकार ने केंद्रीय बजट में लगातार पूंजी निवेश को अपने स्तर पर बढ़ा कर उन्हें प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया है। ऐसी दशा में क्या आर्थिक प्रगति और वार्षिक स्थिरता घरेलू बाजार की खपत के माध्यम से ही निर्देशित करना उचित है? क्या यह समझना नहीं होगा कि घरेलू बचत को बढ़ाना भी एक मुख्य लक्ष्य होना चाहिए था, जो हाल के दिनों में जीएसटी में कटौती से हुई बचत के बाद त्योहारी खर्च में बदल गई। हालांकि इससे मुनाफा अंततः किसी और को ही हो रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्तमान में भारत में शुद्ध घरेलू बचत लगभग पांच फीसद के आसपास ही है। विडंबना यह भी है कि आज भारतीय निवेशक के पास घरेलू बाजार में विकल्प लगातार कम होते जा रहे हैं। बैंक दरों में लगातार कटौती हो रही है। आर्थिक नीतियों का प्रत्यक्ष इशारा घरेलू बचत के लिए पूंजी बाजार के विकल्प की ओर है।

भारतीय पूंजी बाजार ने पिछले एक वर्ष में पांच फीसद के आसपास का ही मुनाफा दिया जैसा कि बीएसई सूचकांक और निफ्टी में बीते वर्ष में दर्ज हुआ है। एक विमर्श यह भी है कि पूंजी बाजार में वित्तीय निवेश भारतीय बैंकों की तुलना में अधिक जोखिम भरा है क्योंकि इससे हमेशा अनिश्चितता रहती है। एक बात और अधिक ताज्जुब करने वाली है कि भारतीय कंपनियों का वित्तीय निवेश विदेश में तेजी से बढ़ रहा है। एक रपट के मुताबिक वर्ष 2024-25 में कंपनियों का विदेशी निवेश 40 फीसद बढ़ कर 36 अरब डालर तक पहुंच गया।

एक पक्ष यह भी अहम है कि जीएसटी दरों में हुई कमी से उत्पादों के विक्रय मूल्य जरूर कम हुए हैं, लेकिन क्या संबंधित निर्माताओं ने अपने मुनाफे को कम किया है? बहरहाल, एक संतोषजनक बात देखने को मिली है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े बैंक एसबीआइ ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ एमएसएमई के लिए वित्तीय ऋण को अब डिजिटल माध्यम से शुरू कर दिया है और इससे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को आवेदन करने के 45 मिनट के भीतर ऋण की मंजूरी मिल रही है। बैंक इस संदर्भ में आयकर रिटर्न, जीएसटी रिटर्न और बैंक विवरण जैसे प्रामाणिक आंकड़ों को आनलाइन मंच से ही मूल्यांकन कर इसे आगे बढ़ा रहे हैं। अगस्त 2025 में एसबीआइ ने ऐसे 2,25000 उद्यमों को वित्तीय सुविधा दी। निश्चित तौर पर इससे इन उद्यमों की वित्तीय तरलता बढ़ेगी और ये भारत के उत्पादन क्षेत्र के लिए अच्छी खुशखबरी भी है।

अध्यात्म

बहरूपियों से हमेशा सतर्क एवं सावधान रहें

एक कबूतर और एक कबूतरी एक पेड़ की डाल पर बैठे थे। उन्हें बहुत दूर से एक आदमी आता दिखाई दिया। कबूतरी के मन में कुछ शंका हुई और उसने कबूतर से कहा कि चलो जल्दी उड़ चले नहीं तो ये आदमी हमें मार डालेगा।

कबूतरने लंबी सांस लेते हुए आराम के साथ कबूतरी से कहा- भला उसे ध्यान से देखो तो सही, उसके कपड़े देखो, चेहरे से भोलापन टपक रहा है, ये हमें क्या मारेगा, बिलकुल सज्जन पुरुष लग रहा है।

कबूतर की बात सुनकर कबूतरी चुप हो गई। जब वह आदमी उनके पास आया तो अचानक उसने अपने वस्त्र के अंदर से तीर कमान निकाला और झट से कबूतर को मार दिया। और बेचारे उस कबूतरके वहीं प्राण पखेरू उड़ गए।

असहाय कबूतरी ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई और बिलखने लगी। उसके दुःख का कोई ठिकाना न रहा और पल भर में ही उसका सारा संसार उजड़ गया। उसके बाद वह कबूतरी रोती हुई अपनी फरियाद लेकर राजा के पास गई और राजा को उसने पूरी घटना बताई।

राजा बहुत दयालु इंसान था। राजा ने तुरंत अपने सैनिकों को उस शिकारी को पकड़कर लाने का आदेश दिया। तुरंत शिकारी को पकड़ कर दरबार में लाया गया। शिकारी ने डर के कारण अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

उसके बाद राजा ने कबूतरी को ही उस शिकारी को सजा देने का अधिकार दे दिया और उससे कहा कि- तुम जो भी सजा इस शिकारी को देना चाहो दे सकती हो। कबूतरी ने बहुत दुःखी मन से कहा कि- हे राजन, मेरा जीवन साथी तो इस दुनिया से चला गया जो फिर कभी भी लौटकर नहीं आएगा, इसलिए मेरे विचार से इस क्रूर शिकारी को बस इतनी ही सजा दी जानी चाहिए कि अगर वो शिकारी है तो उसे हर समय शिकारी वाले कपड़े पहनना चाहिए। ये अच्छे व्यक्ति वाले कपड़े उतार दे क्योंकि अच्छे व्यक्ति वेल कपड़े पहन कर धोखे से घिनौने कर्म करने वाले सबसे बड़े नीच होते हैं।

इसलिए अपने आसपास अच्छे व्यक्ति बनने का ढोंग करने वाले बहरूपियों से हमेशा सावधान रहें। सतर्क रहें और अपना बहुत ध्यान रखें।

योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

मोनिका राज

मनुष्य का जीवन केवल क्रिया-प्रतिक्रियाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह एक चेतन अवधान का विस्तार है। पर आज के समय में हम देखते हैं कि जीवन के अधिकतर निर्णय पसंद और नापसंद के खांचों में ढाले जाते हैं। लोग बड़े गर्व से कहते हैं कि 'मुझे यह पसंद है, इसलिए मैं यह करूंगा या मुझे वह नापसंद है, इसलिए उससे दूर रहूंगा।' इस अभिव्यक्ति के पीछे जो भाव छिपा है, वह स्वतंत्रता का भ्रम है। पर क्या यह सचमुच स्वतंत्रता है? क्या यह सच में हमारी चेतन प्रवृत्ति का प्रतीक है? नहीं, यह तो कहीं अधिक गहरी मानसिक बेड़ियों की जकड़न है- अदृश्य, किंतु कठोर।

हम यह मान बैठे हैं कि जिसे मैं पसंद करता हूं, वही सही है और जिसे नापसंद करता हूं, वह त्याज्य है। इस द्वैत ने हमारे सामाजिक और पारिवारिक जीवन में इतनी गहरी पैठ बना ली है कि आज लगभग हर संघर्ष, हर मनमुटाव, हर युद्ध का मूल कारण व्यक्ति विशेष की पसंद-नापसंद ही बन गई है। घर की दीवारों से लेकर राष्ट्र की सीमाओं तक, धर्म की परिधियों से लेकर विचारधाराओं के संघर्षों तक, हर स्थान पर यह द्वंद्व व्याप्त है। विडंबना यह है कि हम इसे स्वाभाविक मान बैठे हैं।

पसंद-नापसंद की यह प्रवृत्ति उस सोच का हिस्सा है, जो सीमित है, पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है और दूसरों की अपेक्षाओं या अपनी आदतों के अधीन चलती है। जब हमारा मस्तिष्क एक सीमित परिधि में बंद होता है, तब हमारी दृष्टि स्पष्ट नहीं रहती। हम वही देखते हैं, जो हमारी इच्छा देखना चाहती है, हम वही सुनते हैं, जो हमारे मानस को भाता है। ऐसे में जो आवश्यक है, वह हमारे ध्यान से ओझल हो जाता है।

अक्सर हम यह कहते हैं कि 'मैं स्वतंत्र हूं, इसलिए मैं अपने मन की करूंगा', तो यह वास्तव में स्वाधीनता नहीं है। मन को हमने इतना अधिक तूल दे दिया है कि अब वह हमारे विवेक का स्थान लेने लगा है। हम किसी वस्तु, विचार या व्यक्ति को केवल इसलिए स्वीकार करते हैं कि वह हमें अच्छा लगता है, और किसी को नकारते हैं, क्योंकि वह हमारी पसंद के अनुसार नहीं है। मगर चेतना वहां प्रकट होती है, जहां व्यक्ति यह समझ पाता है कि किसी परिस्थिति में 'क्या आवश्यक है', न कि केवल 'क्या मुझे अच्छा लगता है।'

इस मानसिक स्थिति का सबसे बड़ा दुष्परिणाम यह है कि हम अपने भीतर एक सतत टकराव की स्थिति में रहने लगते हैं। हमें जीवन से शिकायतें होती हैं, लोग अच्छे नहीं, समाज गिरा हुआ, रिश्ते बेमानी, धर्म बंटे हुए, राजनीति भ्रष्ट, लेकिन हम यह नहीं देख पाते कि इन सबके मूल में हमारी अधूरी चेतना और सीमित सोच ही है। जब हम केवल अपनी पसंद के दायरे में जीते हैं, तो हमारी दृष्टि व्यापक नहीं रह जाती। फिर जो हमारे दायरे में नहीं आता, वह हमें या तो शत्रु प्रतीत होता है या उपेक्षणीय। यहीं से शुरू होता है झगड़ों का सिलसिला- घर में, समाज में, और अंततः

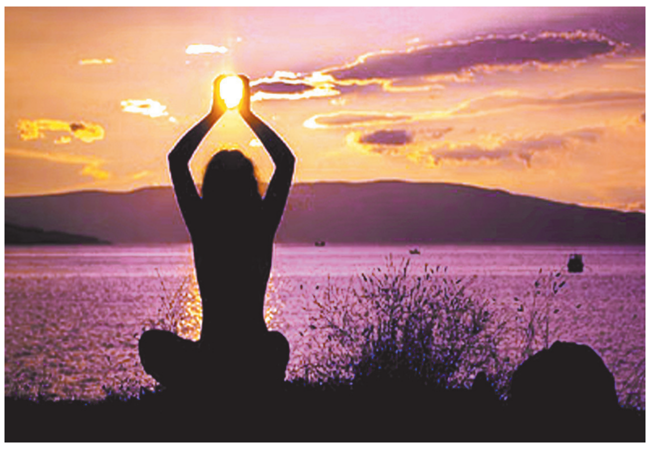

अंतरात्मा में। भारतीय योग परंपरा ने इस भीतर की पराधीनता को बहुत गहराई से देखा है। योग का उद्देश्य केवल शरीर की चपलता या सांस की लय नहीं है, बल्कि चेतना की वह ऊर्ध्व यात्रा है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की ग्रंथियों से मुक्त करती है। योग कहता है कि जब तक हम अपनी चेतना के तल पर जागरूक नहीं होंगे, तब तक हम सच्ची स्वतंत्रता का अनुभव नहीं कर सकते, क्योंकि जो व्यक्ति भीतरी पराधीनता से मुक्त नहीं है, वह बाहरी आजादी का मूल्य ही नहीं समझ सकता। उसे स्वतंत्रता केवल एक व्यक्तिगत अधिकार लगती है, जबकि सच्चे अर्थों में स्वतंत्रता वह अवस्था है, जहां व्यक्ति अपनी प्रतिक्रियाओं से मुक्त होकर पूर्ण विवेक के साथ निर्णय लेता है। जहां वह परिस्थिति को उसके संपूर्ण परिप्रेक्ष्य में देख सकता है, न कि केवल अपनी रुचि और अरुचि की झील में डूबते-उतराते हुए। पसंद और नापसंद की होड़ से बाहर निकलने के लिए हमें यह स्वीकार करना होगा कि हम अब तक अपने ही बनाए हुए मानसिक जाल में उलझे रहे हैं। एक सजग और संवेदनशील व्यक्ति ही यह देख सकता है कि किसी विशेष परिस्थिति में क्या आवश्यक है, क्या उचित है और क्या अनावश्यक। वह अपनी पसंद को तब भी स्थगित कर सकता है, जब परिस्थिति किसी अन्य दिशा की मांग कर रही हो। जागरूकता वह दृष्टि देती है, जिससे हम न केवल वस्तुओं को, बल्कि अपने मन की गति को भी देख सकते हैं। यह वह दर्पण है, जिसमें हमारी प्रतिक्रियाओं की छाया स्पष्ट होती है। यह वह ध्वनि है, जो हमारे अंतर से कहती है, 'जो पसंद है, वह जरूरी नहीं कि सही हो; और जो नापसंद है, वह अनावश्यक नहीं।'

जीवन की गति जब मात्र इच्छाओं की पूर्ति और नापसंद से बचाव में बीत जाती है, तब उसका सौंदर्य लुप्त हो जाता है। मगर जब हम अपनी चेतना को इतना विकसित कर लेते हैं कि हम परिस्थिति को उसके व्यापक स्वरूप में देख सकें, तब जीवन एक कला बन जाता है- विवेक, संतुलन, करुणा और न्याय की।

पसंद-नापसंद से मुक्त होकर जीना आसान नहीं, पर असंभव भी नहीं। यह एक साधना है, अपने भीतर झांकने की, अपनी प्रतिक्रियाओं की दिशा को देखने की, और समय-समय पर अपने ही मन को चुनौती देने की। यह वही मार्ग है, जहां मानवता को अपना असली अर्थ मिला है। इसलिए आवश्यकता इस बात की नहीं है कि हम अपने मन की करें, बल्कि इस बात की है कि हमारा मन इतना परिष्कृत हो, इतना साक्षीभाव से भरा हो कि वह स्वयं यह समझ सके कि किस परिस्थिति में क्या करना उचित है। तभी हम सच्चे अर्थों में स्वतंत्र होंगे। वरना हमारी पसंद ही हमारी पराधीनता का दूसरा नाम बन जाती है। स्वतंत्र वह नहीं जो अपनी पसंद का हो, स्वतंत्र वह है जो अपने भीतर से मुक्त हो।

उत्तराखंड के अभिषेक का हरित मंत्र, कचरे से तैयार किया स्वदेशी बायो एंजाइम क्लीनर

हरिद्वार, एजेंसी। मौसमी, कीनू, नींबू व संतरे के जिन छिलकों को लोग कचरा मानकर कूड़ेदान में फेंक देते हैं, क्वांटम यूनिवर्सिटी रुड़की में बीटेक के छात्र अभिषेक कुमार को उन छिलकों में भविष्य की उम्मीद नजर आई। उन्होंने इन छिलकों से स्वदेशी बायो एंजाइम क्लीनर तैयार किया और उसे नाम दिया 'अनघा क्लीनर्स', जिसने सफाई की परिभाषा ही बदल डाली। यह ऐसा क्लीनर है, जिसने रासायनिक प्रदूषण से कराहती प्रकृति को एक प्रभावी समाधान दिया है।

स्वच्छता, स्वास्थ्य और प्रकृति की रक्षा के संकल्प से प्रेरित 21-वर्षीय उद्यमी अभिषेक ने दो वर्ष पूर्व हरिद्वार जिले के भगवानपुर में 'अनघा क्लीनर्स' नाम से एक स्टार्टअप की शुरुआत की। इस स्टार्टअप की सराहना उत्तराखंड सरकार और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) रुड़की दोनों ने की है।

उत्पाद की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को देखते हुए आइआइटी रुड़की ने उन्हें पांच लाख रुपये और उत्तराखंड सरकार ने एक लाख रुपये की अनुदान राशि प्रदान की। इससे उन्हें उत्पादन को और बेहतर बनाने व लोगों तक पहुंचाने में सहूलियत मिलेगी। वर्तमान में 'अनघा क्लीनर्स' के उत्पादों का उपयोग आइआइटी रुड़की के कुछ कार्यालयों, अधिकारी आवास और कई प्रतिष्ठित होटल, सिडकुल व भगवापुर के औद्योगिक संस्थानों में किया जा रहा है।

प्रकृति से प्रेरित नवाचार- अभिषेक की प्रेरणा वर्ष 2020 में तब मिली, जब उन्होंने केमिकलयुक्त क्लीनर्स से होने वाले त्वचा रोगों पर एक रिपोर्ट पढ़ी। रुड़की आने के बाद उन्होंने एक बालक को गंभीर एक्जिमा से पीड़ित देखा, जिसे चिकित्सकों ने रासायनिक उत्पादों से दूर रहने की सलाह दी थी। औद्योगिक क्षेत्र भगवानपुर में नदी में गिरते विषैले अपशिष्ट देखे, जिसने उनके भीतर परिवर्तन का बीज बो दिया।

अभिषेक ने लगभग एक वर्ष तक शोध कर पाया कि खट्टे फलों यानी मौसमी, कीनू, नींबू व संतरे के छिलकों के किण्वन से उत्पन्न बायोएंजाइम रासायनिक क्लीनर्स का स्वदेशी और पर्यावरण हितैषी विकल्प बन सकते हैं। इन एंजाइमों में ऐसी प्राकृतिक क्षमता होती है, जो चिकनाई, बैक्टीरिया और जैविक गंदगी को आणविक स्तर पर तोड़ देती है, वह भी बिना किसी हानिकारक प्रभाव के।

करीब डेढ़ वर्ष तक रिसर्च करने के बाद वर्ष 2023 में अभिषेक ने 'अनघा क्लीनर्स' को एक पंजीकृत स्टार्टअप के रूप में स्थापित किया। फिर वर्ष 2024 में मात्र एक लाख रुपये के शुरुआती ऋण से भगवानपुर में इसका उत्पादन शुरू किया। उन्होंने बताया कि 100 एमएल 'अनघा क्लीनर्स' मात्र 50 रुपये में उपलब्ध है, जिससे तीन लीटर फ्लोर क्लीनर तैयार किया जा सकता है।

स्वदेशी तकनीक का उत्पाद- अभिषेक कुमार ने बताया कि 'अनघा क्लीनर्स' की विशिष्टता इसकी स्वदेशी तकनीक में है। खट्टे फलों के छिलकों से तैयार बायोएंजाइम सफाई में प्रभावी होने के साथ जल और मिट्टी के सूक्ष्मजीवी संतुलन को भी बनाए रखते हैं। ये क्लीनर टाक्सिन-फ्री, बायोडिग्रेडेबल और त्वचा के लिए सुरक्षित हैं। इनके प्रयोग से जल प्रदूषण में कमी आती है और नदियों की जैविक शुद्धता बनी रहती है। अनघा क्लीनर्स को बेहतर बनाने के लिए उन्होंने नीम, दालचीनी, गुड़, लौंग, हल्दी आदि उपयोग भी किया है।

15 टन फल अपशिष्ट को किया पुनर्चक्रित- अभिषेक कुमार कहते हैं कि अब तक 'अनघा क्लीनर्स' ने 1,000 से अधिक परिवारों को अपने उत्पादों से जोड़ा है। पांच लोगों को रोजगार दिया है। कंपनी ने दो वर्ष के अंतराल में 10 टन फल अपशिष्ट को पुनर्चक्रित कर बायोएंजाइम क्लीनर में परिवर्तित किया है, जिससे जैविक कचरे में कमी आई है।

इन क्लीनरों के प्रयोग से अब तक पांच लाख लीटर से अधिक जल की बचत हुई है, जबकि ईको-फ्रेंडली पैकेजिंग से 250 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे को लैंडफिल में जाने से रोका गया है। वह रुड़की व सहारनपुर के जूस कार्नर और फैक्ट्रियों से संकलित छिलकों को पांच रुपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदते हैं। इससे जूस संचालकों को भी लाभ हुआ है। अभिषेक का लक्ष्य वर्ष 2026 तक 20 टन छिलके एकत्र कर उत्पादन को और विस्तृत करना है।

अभिषेक को मिले हैं कई सम्मान

मूलरूप से राजेंद्र नगर, पटना (बिहार) निवासी अभिषेक कुमार ने 12वीं की पढ़ाई के बाद वर्ष 2022 में उत्तराखंड के रुड़की आए। उनके पिता मिथलेश कुमार रेलवे कर्मचारी हैं और माता श्वेता कुमारी गृहिणी। पारिवारिक सादगी में पले अभिषेक ने अपनी दृष्टि और परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया, जिसे उत्तराखंड में सराह गया है। अभिषेक के 'अनघा क्लीनर्स' को स्टार्टअप उत्तराखंड ग्रैंड चैलेंज में विजेता स्थान प्राप्त हुआ। अभिषेक को क्वांटम यूनिवर्सिटी की ओर से एंटरप्रेन्योर आफ द ईयर, आइआइटी रुड़की जेनेसिस प्रोग्राम विजेता, आइआइएम काशीपुर बिजनेस गोल्ड मेडलिस्ट और शार्क टैंक इंडिया-2023 फाइनलिस्ट जैसी उपलब्धियां हासिल हुईं।

चम्पावत में औषधि विभाग की सघन कार्रवाई प्रतिबंधित कफ सिरप पर कड़ी निगरानी

चंपावत, एजेंसी। चम्पावत में औषधि विभाग कीचंपावत में औषधि विभाग ने गुरुवार को जिलेभर के मेडिकल स्टोरों पर सघन जांच अभियान चलाया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी मनीष कुमार और खाद्य संरक्षा तथा औषधि प्रशासन के आयुक्त-अपर आयुक्त के निर्देश पर की गई।

इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित कफ सिरप की बिक्री और भंडारण पर नियंत्रण सुनिश्चित करना था।उप औषधि नियंत्रक के नेतृत्व में विभागीय टीम ने कई मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। हालांकि, किसी भी प्रतिष्ठान पर प्रतिबंधित दवाएं नहीं मिलीं। विभाग ने अब तक चंपावत जिले से 17 दवाओं के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें गुणवत्ता जांच के लिए विश्लेषणशाला भेजा गया है।औषधि निरीक्षक हर्षिता ने मेडिकल स्टोर संचालकों और थोक विक्रेताओं को चार प्रतिबंधित कफ सिरप के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि इन दवाओं का भंडारण या वितरण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अधिकांश विक्रेताओं ने अपनी पहल पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री बंद कर दी है और उन्हें अपने स्टॉक से हटा दिया है।विभाग ने सभी औषधि विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को कफ सिरप न दें। वयस्कों को भी यह दवा केवल चिकित्सकीय परामर्श पर ही उपलब्ध कराई जाए। औषधि विभाग ने स्पष्ट किया कि जिले में दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।चंपावत में औषधि विभाग ने गुरुवार को जिलेभर के मेडिकल स्टोरों पर सघन जांच अभियान चलाया। यह कार्रवाई जिलाधिकारी मनीष कुमार और खाद्य संरक्षा तथा औषधि प्रशासन के आयुक्त-अपर आयुक्त के निर्देश पर की गई। इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित कफ सिरप की बिक्री और भंडारण पर नियंत्रण सुनिश्चित करना था।उप औषधि नियंत्रक के नेतृत्व में विभागीय टीम ने कई मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया।

हालांकि, किसी भी प्रतिष्ठान पर प्रतिबंधित दवाएं नहीं मिलीं। विभाग ने अब तक चंपावत जिले से 17 दवाओं के नमूने एकत्र किए हैं, जिन्हें गुणवत्ता जांच के लिए विश्लेषणशाला भेजा गया है। औषधि निरीक्षक हर्षिता ने मेडिकल स्टोर संचालकों और थोक विक्रेताओं को चार प्रतिबंधित कफ सिरप के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि इन दवाओं का भंडारण या वितरण करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण में यह भी सामने आया कि अधिकांश विक्रेताओं ने अपनी पहल पर प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री बंद कर दी है और उन्हें अपने स्टॉक से हटा दिया है।

विभाग ने सभी औषधि विक्रेताओं को निर्देश दिए हैं कि पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों को कफ सिरप न दें। वयस्कों को भी यह दवा केवल चिकित्सकीय परामर्श पर ही उपलब्ध कराई जाए।औषधि विभाग ने स्पष्ट किया कि जिले में दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी।

सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन 20 को रहेगा पूरी तरह बंद, दीपावली के अगले दिन से होगा शुरू

नई टिहरी, एजेंसी। सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन 20 को पूरी तरह बंद रहेगा। दीपावली के अगले दिन से रोपवे का संचालन होगा। दीपावली के दिन 20 अक्तूबर को सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। रोपवे कंपनी के समन्वयक नरेश बिजल्वाण ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दीपावली के अगले दिन 21 अक्तूबर को रोपवे का संचालन विधिवत सुबह 8 बजे से शुरू होगा।दीपावली के दिन रोपवे का संचालन नहीं होने से सुरकंडा मंदिर में दर्शनों और पूजा-अर्चना करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कद्दूखाल से मंदिर तक लगभग डेढ़ किमी की पैदल दूरी तय कर पहुंचना पड़ेगा। दीपावली के अगले दिन से रोपवे का संचालन होगा। दीपावली के दिन 20 अक्तूबर को सुरकंडा देवी रोपवे का संचालन पूरी तरह से बंद रहेगा। रोपवे कंपनी के समन्वयक नरेश बिजल्वाण ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि दीपावली के अगले दिन 21 अक्तूबर को रोपवे का संचालन विधिवत सुबह 8 बजे से शुरू होगा।दीपावली के दिन रोपवे का संचालन नहीं होने से सुरकंडा मंदिर में दर्शनों और पूजा-अर्चना करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को कद्दूखाल से मंदिर तक लगभग डेढ़ किमी की पैदल दूरी तय कर पहुंचना पड़ेगा।

प्रशिक्षित आपदा मित्र करेंगे लोगों की मदद

ऋषिकेश, एजेंसी। एसडीआरएफ मुख्यालय जौलीग्रांट में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में युवाओं को दक्ष बनाने के लिए युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का प्रशिक्षण पूरा हुआ, जिसमें कुल 34 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रमाणपत्र वितरित किए गए। भविष्य में आपदा मित्र लोगों की मदद करेंगे।कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सेनानायक अर्पण यदुवंशी द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले 34 स्वयंसेवकों को प्रमाणपत्र वितरित किया। कहा कि आपदा मित्र के रूप में प्रशिक्षित युवा भविष्य में राज्य की आपदा तैयारियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह प्रशिक्षण केवल ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं में सेवा भावना, अनुशासन, नेतृत्व और उत्तरदायित्व की भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

कहा कि एसडीआरएफ द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के संयुक्त तत्वाधान में संचालित किया जा रहा है।कहा कि एसडीआरएफ द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एसडीएमए) के संयुक्त तत्वाधान में संचालित किया जा रहा है। प्रथम बैच का यह 7 दिवसीय प्रशिक्षण 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित किया गया। जिसमें प्रतिभागियों को फर्स्ट एड, जनरल डिजास्टर मैनेजमेंट, सर्च तकनीक, रोप रेस्क्यू आदि की सैद्धांतिक और व्यवहारिक जानकारी दी गई।

आयुर्वेद हमारी संस्कृति का आधार : खंडूड़ी

ऋषिकेश, एजेंसी। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी ने कहा कि आयुर्वेद हमारी संस्कृति, आस्था और आत्मनिर्भरता का आधार है। उत्तराखंड की यह पवित्र भूमि औषधीय वनस्पतियों और योग परंपरा की धरोहर रही है।

विधानसभा अध्यक्ष रविवार को पतंजलि योगपीठ की ओर से यमकेश्वर विकासखंड के माला गांव में स्थित श्री धन्वंतरि धाम वर्ल्ड हर्बल हिमालय में आयोजित प्रथम धन्वंतरि महोत्सव को संबोधित कर रही थींइ्र उन्होंने कहा कि श्री धन्वंतरि धाम जैसे प्रयास आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने और भारत की प्राचीन चिकित्सा प्रणाली को वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनेंगे।

योगगुरु बाबा रामदेव ने कहा कि आयुर्वेद भारत की आत्मा है। पतंजलि योगपीठ का संकल्प इसे घर-घर तक पहुंचाने का है। आधुनिक चिकित्सा और आयुर्वेद के समन्वय से ही सच्चे स्वास्थ्य की प्राप्ति संभव है। श्री धन्वंतरि धाम वर्ल्ड हर्बल हिमालय को विश्व के सर्वश्रेष्ठ औषधीय ज्ञान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि इस परियोजना के अंतर्गत दुर्लभ हिमालयी औषधीय पौधों का संरक्षण, अनुसंधान और प्रसंस्करण किया जाएगा। यहां हर्बल गार्डन, प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, योग प्रशिक्षण संस्थान और वनस्पति अनुसंधान प्रयोगशालाएं स्थापित की जा रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों को प्रशिक्षण और रोजगार दोनों प्राप्त होंगे।पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय संस्कृति की जड़ों से उपजा विज्ञान है, जो अब विश्व पटल पर अग्रणी भूमिका निभाने जा रहा है। महोत्सव में वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक संगीत के बीच भगवान धन्वंतरि की आराधना की गई।कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि श्री धन्वंतरि धाम वर्ल्ड हर्बल हिमालय केवल औषधीय पौधों का उद्यान नहीं, बल्कि यह ज्ञान, विज्ञान और साधना का जीवंत केंद्र है, जहां से विश्वकल्याण की संकल्पना साकार हो रही है। भारत की प्राचीन आयुर्वेदिक परंपरा दोबारा अपने स्वर्णिम युग की ओर अग्रसर हो रही है।

देहरादून पुलिस ने खास अंदाज में मनाई दीपावली

बुजुर्गों के साथ जलाए दीपक

देहरादून, एजेंसी। देश भर में दीपावली की धूम है, दो दिन दीपावली होने की वजह से चारों तरफ जगमगाती लाइटों के साथ लोगों के चेहरे पर भी खुशी है. हर कोई अपने परिवार के साथ दीपावली मना रहा है, लेकिन राजधानी देहरादून में पुलिस के द्वारा मनाई गई दीपावली बेहद खास रही. देहरादून पुलिस कप्तान अजय सिंह के निर्देशों पर शहर के अलग-अलग इलाकों में पुलिसकर्मी अकेले घर में मौजूद बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाते हुए दिखाई दिए. पुलिसकर्मियों का कहना है जिनके परिवार किसी कारणवश उनके पास मौजूद नहीं होते हैं, इस संवेदनशील पहलू को समझते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून के निर्देश पर दून पुलिस ने इस दीपावली को खास बनाने की एक सराहनीय पहल की. पुलिसकर्मियों की टीम ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में अकेले रह रहे सीनियर सिटीजन के घर जाकर उनसे भेंट की. इस दौरान पुलिस कर्मियों ने आदरपूर्वक उनका हालचाल पूछा और दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी. दून पुलिस परिवार की ओर से बुजुर्गों को फल और मिष्ठान भेंट किए गए. जिससे उनके चेहरों पर मुस्कान खिल उठी. पुलिसकर्मियों के इस अपनत्व भरे व्यवहार से भावुक हुए

कई बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद दिया और प्यार से उनके सिर पर हाथ फेरा. एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने सभी थाना कोतवाली प्रभारियों को निर्देश दिए थे कि वे अपने-अपने क्षेत्र में रहने वाले सीनियर सिटीजन का हालचाल जानें और यह सुनिश्चित करें कि त्योहारों के अवसर पर कोई भी बुजुर्ग अपने आपको अकेला महसूस ना करे. इस निर्देश के तहत दून पुलिस ने मानवता और संवेदनशीलता की मिसाल कायम की. पुलिस अधिकारियों ने इस अवसर पर कहा कि दून पुलिस केवल कानून-व्यवस्था की रखवाली करने वाला बल नहीं है, बल्कि समाज का अभिन्न अंग भी है. बुजुर्ग हमारे अनुभव संस्कार और परंपरा की जड़ें हैं, उनका स्नेह और आशीर्वाद ही हमें शक्ति देता है. अजय सिंह ने कहा दून पुलिस की इस पहल से बुजुर्गों के मन में सुरक्षा और आत्मीयता की भावना और गहरी हुई. उन्होंने कहा कि दीपावली का यह पर्व उनके लिए वास्तव में रोशनी लेकर आया. क्योंकि पुलिस ने न केवल उनके घर के दीप जलाए.बल्कि उनके मनों में भी विश्वास की लौ प्रज्वलित की. इस तरह दून पुलिस ने यह संदेश दिया कि सच्ची सेवा केवल वर्दी में नहीं, बल्कि संवेदनशील हृदय में बसती है और जब समाज का हर वर्ग एक-दूसरे के साथ खड़ा होता है, तभी दीपावली का असली अर्थ साकार होता है।

डिजिटल क्राप सर्वे में निजी क्षेत्र से सर्वेयर रखे जाने की तैयारी, कृषि मंत्रालय से मिलेगा बजट

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में डिजिटल क्राप सर्वे में निजी क्षेत्र से सर्वेयर रखे जाएंगे। आने वाले समय में गांवों की संख्या भी बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा यह सर्वे हर वर्ष दो बार होना है। राज्य में डिजिटल क्राप सर्वे में निजी क्षेत्र से सर्वेयर रखे जाने की तैयारी है। इसके लिए कृषि मंत्रालय से बजट मिलेगा। प्रदेश में पहली बार राज्य के 4400 गांवों में डिजिटल क्रॉप सर्वे का काम शुरू किया गया है। सर्वे के तहत के काश्तकार का विवरण, खेत में बोई गई फसल का ब्यौरा दर्ज करने के साथ फोटोग्राफ भी खींचा जाना है। इसके लिए राजस्व, उद्यान, कृषि विभाग के कर्मियों को प्रशिक्षण भी दिया गया। आने वाले समय में गांवों की संख्या भी बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा यह सर्वे हर वर्ष दो बार होना है। जबकि इस काम में लगे कर्मियों को अन्य विभागीय कार्य भी करने होते हैं। ऐसे में निजी क्षेत्र से सर्वेयर रखने की योजना है। इसके लिए प्रयास शुरू किए गए हैं। यूपी में निजी क्षेत्र के सहयोग से यह काम शुरू किया गया है। राजस्व परिषद सचिव रंजना राजगुरु कहती हैं कि डिजिटल क्राप सर्वे का काम चल रहा है। आगामी रबी की फसल में सर्वे होना है, उसमें प्राइवेट सर्वेयर रखने की योजना है ।

सर्दी जल्दी देगी दस्तक...कल साफ रहेगा मौसम, 22 को बर्फबारी के आसार

देहरादून, एजेंसी। प्रदेशभर में मौसम कल भी साफ रहेगा। जबकि 22 अक्तूबर को उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग जिले में हल्की बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। दीपावली के मौके पर उत्तराखंड में मौसम साफ रहेगा। हालांकि 22 अक्तूबर को ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। ऐसे में एक बार फिर ठंड परेशान करेगी। उधर मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि ला लीना के प्रभाव से इस बार सर्दी जल्दी दस्तक देगी। मौसम विज्ञान केंद्र की ओर से जारी पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार और मंगलवार को प्रदेशभर में मौसम साफ रहेगा। जबकि

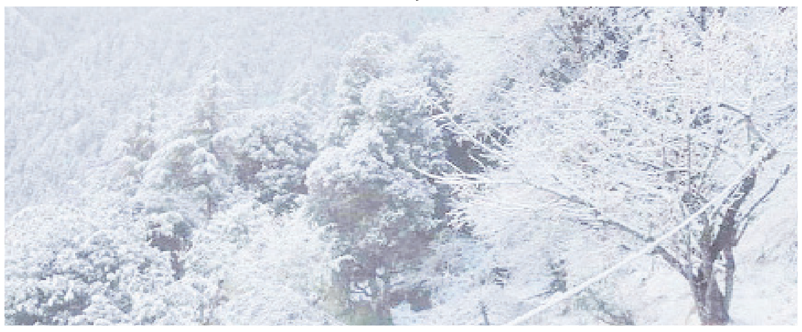

22 अक्तूबर को उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग जिले में हल्की बारिश के साथ ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हालांकि अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। आने वाले दिनों की बात करें तो 23 से 25 अक्तूबर तक प्रदेशभर में मौसम साफ रहेगा। मौसम वैज्ञानिक रोहित थपलियाल ने कहा कि प्रदेश से मानसून की विदाई पूरी तरह से हो गई है। उधर ला लीना के प्रभाव से संभव है कि इस बार ठंड ज्यादा पड़े। इसका प्रभाव यह होगा कि प्रदेश के कई इलाकों में शीतलहर चलेगी और ऊंचाई वाले इलाकों में भी अच्छी बर्फबारी की संभावना है। इसके चलते ठंड जल्दी दस्तक देगी। ला लीना समुद्र में घटने वाली एक घटना है। इसके प्रभाव से पूरे विश्व का मौसम प्रभावित होता है। ला लीना के प्रभाव से प्रशांत महासागर के ऊपरी पानी का तापमान सामान्य से काफी नीचे चला जाता है। जब हवाएं तेज चलने लगती हैं तो समुद्र का गर्म सतही पानी पश्चिम की तरफ धकेल दिया जाता है, जिसके प्रभाव से पूर्व के प्रशांत महासागर का पानी ठंडा हो जाता है और इसी वजह से देश में सर्दी का मौसम ठंडा होता है।

महाविद्यालय शीतलाखाल में स्टॉफ 13 और कॉलेज में पढ़ने आ रहे पांच छात्र, विभाग के लिए एक और चिंता

देहरादून, एजेंसी। सरकारी डिग्री कॉलेज शीतलाखेत अल्मोड़ा में प्रवेश संख्या 66 है, लेकिन छात्र-छात्राओं की दैनिक उपस्थिति पांच है। महाविद्यालय के प्राचार्य ललन सिंह बताते हैं कि क्षेत्र के इंटरमीडिएट कॉलेज में भी छात्र-छात्राओं की संख्या बहुत कम है। प्रदेश के कुछ सरकारी महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं की संख्या प्राथमिक विद्यालयों से भी कम है। विभाग के लिए इससे भी बड़ी चिंता की बात यह है कि जिन छात्र-छात्राओं ने इन महाविद्यालयों में प्रवेश लिया है, वे भी नियमित रूप से कॉलेज नहीं आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी डिग्री कॉलेज शीतलाखेत अल्मोड़ा में प्रवेश संख्या 66 है, लेकिन छात्र-छात्राओं की दैनिक उपस्थिति पांच है। महाविद्यालय के प्राचार्य ललन सिंह बताते हैं कि क्षेत्र के

इंटरमीडिएट कॉलेज में भी छात्र-छात्राओं की संख्या बहुत कम है। महाविद्यालय में 66 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। जिसमें अधिकतर छात्राएं हैं। घास काटने के सीजन में कॉलेज आने वाले छात्र-छात्राओं की संख्या बहुत कम हो जाती है। हालांकि इन दिनों औसतन 20 से 25 छात्र-छात्राएं कॉलेज आ रहे हैं। महाविद्यालय में स्टाफ की स्थिति के बारे में उन्होंने बताया कि एक प्रोफेसर, छह असिस्टेंट प्रोफेसर, दो क्लर्क और तीन उपनल कर्मी तैनात हैं। एसबीएस पीजी कालेज रुद्रपुर का भी कुछ यही हाल है। उच्च शिक्षा विभाग की इस रिपोर्ट के मुताबिक वनस्पति विज्ञान विषय में विश्वविद्यालय से कुछ स्वीकृत सीटों की संख्या 110 है। कुल बैठने की क्षमता 80 है। जिसमें एक ही कमरे में कक्षा और लैब चल रही है। कुल 800 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश लिया है। जबकि छात्र-छात्राओं की औसतन दैनिक उपस्थिति 50 है।

दून अस्पताल के गेट पर चली गोली, एक घायल, आराघर के पास कार सवारों ने दो पुलिसकर्मियों को रौंदा

देहरादून, एजेंसी। राजधानी देहरादून में सुबह-सुबह दो घटनाएं सामने आई। शहर के दून अस्पताल के गेट नंबर पांच के पास एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लग गई। वहीं तीन पुलिसकर्मियों को कुछ कार सवारों ने रौंद दिया।देहरादून में अलग-अलग दो घटनाएं सामने आई हैं। दून अस्पताल की इमरजेंसी के बाहर रविवार तड़के उत्तरकाशी के रहने वाले दिशांत सिंह राणा नाम के युवक को गोली मार दी गई। गोली दिशांत के पेट में लगी। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जांच में पता चला है कि दिशांत का देहरादून के रहने वाले काव्यांश से उधारी के पैसों के लिए झगड़ा हुआ जिसमें मारपीट भी हुई। दिशांत शनिवार देर रात करीब साढ़े तीन बजे अपना मेडिकल कराने आया था। इसी बीच काव्यांश के साथियों ने उन्हें गोली मार दी। गोली मारने वाले मौके से भाग गए। पुलिस ने घटना में चार को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज किया है। एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि घटना में शामिल एक पक्ष कैंटीन चलाता है जिसका नाम काव्यांश धामा है। जबकि दूसरा पक्ष ब्याज पर पैसे देता है। इसका नाम दिशांत सिंह राणा है। कैंटीन संचालक धामा ने दिशांत से 40 हजार रुपये उधार लिए थे। दिशांत उसे लेने के लिए शनिवार देर रात राजपुर थानाक्षेत्र के कैनाल रोड स्थित उसकी कैंटीन में गया था। वहां पर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। दोनों के बीच मारपीट भी हुई। इसके बाद दोनों पक्ष मेडिकल कराने के लिए दून अस्पताल आए थे। मेडिकल करवार रविवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे दिशांत घर जाने के लिए निकला था। इस दौरान काव्यांश धामा के कुछ दोस्तों ने बाहर उसे घेर लिया। उससे कहा कि तुम मेरे दोस्त को मारोगे। इतना कहकर आरोपियों ने दिशांत पर फायर झोंक दिया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास अफरातफरी मच गई। अस्पताल की इमरजेंसी में से कई लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। चिकित्सकों ने बताया कि दिशांत को पेट में गोली लगी है। इससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। इसके बाद परिजन उसे शहर के एक निजी अस्पताल लेकर चले गए। एसएसपी ने बताया कि पीड़ित के बयान दर्ज किए गए हैं। इस मामले में पीड़ित परिवार की तहरीर के आधार पर काव्यांश धामा, वासु, विशाल, रोहन और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। घटना में शामिल सभी आरोपी अभी फरार हैं। इनकी धरपकड़ के लिए पुलिस दबिश दे रही है।

दिशांत राणा ने अपनी उधारी मांगी तो काव्यांश धामा पक्ष के लोगों ने उन पर फायर झोंक दिया। उनके पेट में गोली लगी है। वे अस्पताल में फिलहाल जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहे हैं। यह घटना छोटी दिवाली के दिन हुई। घटना के बाद से पीड़ित परिवार काफी डरा हुआ है। घटना के बाद अस्पताल के आस-पास भी काफी तनाव का माहौल है। पुलिस कैंटीन के भी दस्तावेज की जांच करेगी। खामियां मिलने पर संपत्ति पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

डालनवाला थाना क्षेत्र के आराघर टी जंक्शन के पास वाहनों की जांच कर रहे तीन पुलिसकर्मियों को तेज रफ्तार कार ने रौंद दिया। तीनों को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह के मुताबिक घटना रविवार तड़के चार बजे की है। मंडी की ओर से आ रही कार ने तीन पुलिसकर्मियों को रौंद दिया। त्योहार के मद्देनजर आराघर के पास जांच अभियान चलाया जा रहा था। पुलिस ने शक के आधार पर कार को रोकने का प्रयास किया था लेकिन चालक तीन पुलिसकर्मियों को रौंदते हुए आगे निकल गया। एंबुलेंस की मदद से घायलों को दून अस्पताल भेजा गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पूछताछ में चालक ने अपना नाम मोहम्मद उमर उर्फ ताहिर निवासी ईसी रोड डालनवाला बताया। आरोपी को कोर्ट में पेश किया जा रहा है।

किसानों ने बनाया दबाव तो मिल से 30 लाख जारी

देहरादून, एजेंसी। भारतीय किसान यूनियन रोड़ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पदम सिंह रोड़ ने कार्यकर्ताओं के साथ गन्ना विभाग के अधिकारियों से वार्ता की। इस दौरान किसानों ने भुगतान नहीं होने पर रेल का चक्का जाम करने की चेतावनी दी। जितने भुगतान की किसान मांग कर रहे थे वह तो नहीं हो सका। हालांकि मिल ने एक दिन का 30 लाख का भुगतान जारी कर दिया। रविवार को किसान रुड़की रेलवे रोड स्थित गन्ना विकास समिति इकबालपुर के कार्यालय पर पहुंचे और यहां सहायक गन्ना आयुक्त ललित मोहन से वार्ता की। इस दौरान समिति पदाधिकारी भी मौजूद रहे। पदम सिंह रोड़ ने कहा कि एक दिन पहले एडीएम और जेएम के साथ हुई वार्ता में भुगतान कराए जाने की स्थिति में रेल चक्का जाम को स्थगित करने का अनुरोध किया था लेकिन अब तक भुगतान नहीं हुआ है। किसान तत्काल भुगतान कराने की मांग पर अड़ गए और ऐसा न होने पर रेल जाम करने की चेतावनी दी। कई घंटों तक जद्दोजहद चलती रही। बाद में शाम तक मिल ने किसानों का एक दिन का गन्ना भुगतान 30 लाख रुपये समिति को जारी किया। सहायक गन्ना आयुक्त ने बताया कि बैंक खुलते ही यह धनराशि किसानों के खातों में पहुंच जाएगी। इस मौके पर संजीव कुशवाहा, सचिन टोड़ा, नाजिम, प्रवेज प्रधान, प्रदीप त्यागी, गजेंद्र चौधरी, मनोज और मुबारिक आदि मौजूद रहे।

सीएम धामी ने पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में की शिरकत

देहरादून, एजेंसी। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर देहरादून स्थित पुलिस लाइन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। सीएम धामी ने पुलिस और अर्द्ध सैन्य बलों के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही मुख्यमंत्री ने शहीद पुलिस जवानों के परिजनों को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर उत्तराखंड पुलिस के सभी कार्मिकों को एक विशेष रजत जयंती पदक प्रदान किए जाने की भी घोषणा की।

इसके अलावा, अगले 3 सालों में पुलिस कर्मियों के आवासीय भवनों के निर्माण के लिए हर साल 100 करोड़ रुपए की धनराशि दी जाएगी, तमाम कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए पुलिस कल्याण निधि के तहत वर्तमान में प्रावधानित ढाई करोड़ रुपए की धनराशि को पुनरीक्षित करते हुए अगले एक साल के लिए साढ़े चार करोड़ रुपए किए जाने के साथ ही भवाली, नैनीताल, ढालमल्ला, काण्डा, बागेश्वर, नैनीडांडा, धुमाकोट, पौड़ी, घनसाली, टिहरी, सतपुली और पौड़ी में एसडीआरएफ के जवानों के लिए 5 बैरकों का निर्माण कराए जाने की घोषणा की।

सीएम धामी ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्यों के पुलिस बलों और अर्धसैनिक बलों के जवानों पर है। अपने इस उत्तरदायित्व को निभाते हुए बीते एक साल में, पूरे भारत में 186 अर्धसैनिक बलों और पुलिस कर्मियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया, जिनमें उत्तराखंड पुलिस के 4 वीर सपूत भी शामिल हैं। सभी वीर बलिदानी हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की बुनियाद हैं, उनका बलिदान हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहेगा। सीएम ने कहा राज्य सरकार, राज्य की पुलिस व्यवस्था को और भी अधिक सक्षम और संसाधनयुक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार, पुलिस बल के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के हर थाने में महिला हेल्प डेस्क के तहत क्विक रिस्पॉन्स टीम का गठन किया गया है। सरकार ने विगत तीन सालों में पुलिस विभाग के भवनों के निर्माण के लिए 500 करोड़ रुपये की धनराशि प्रदान की है। ये राशि पिछले सालों की तुलना में कई गुना अधिक है। प्रशासनिक भवनों के साथ 688 आवासीय भवनों का निर्माण कार्य चल रहा है। जल्द ही 120 नए आवासों का निर्माण भी शुरू करने जा रहे हैं। सरकार ने स्मार्ट पुलिसिंग की परिकल्पना को साकार करने के लिए जवानों के बैरक मैस और कार्यस्थलों के अपग्रेडेशन के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराई है। सरकार ने नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन के लिए अब तक 5 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत सभी पुलिस कर्मियों को कैशलैस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध करा रही है।

सीएम धामी ने कहा पुलिसकर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को समयबद्ध किया गया है। इस साल 356 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी तमाम श्रेणियों में पदोन्नत किए गए हैं। तमाम श्रेणी के 115 रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए भी कार्रवाई गतिमान है, जिन्हें शीघ्र पूरा कर लिया जाएगा। इस साल हमारे 215 कर्मियों को विशिष्ट कार्य और सेवा के लिए विभिन्न पदक एवं सम्मान चिन्हों से अलंकृत किया गया है। राज्य सरकार पुलिस कर्मियों की कैपेसिटी बिल्डिंग की दिशा में भी लगातार काम कर रही है। प्रशिक्षण संस्थानों को पर्याप्त धनराशि उपलब्ध करा रहे हैं। पीटीसी नरेंद्र नगर को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। एआई और साइबर सुरक्षा से जुड़े प्रशिक्षण के लिए पुलिस कर्मियों को देश के प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थानों में भेजा जा रहा है।

सीएम ने कहा पुलिस कर्मियों के वेतन, भत्ते, चिकित्सा प्रतिपूर्ति, और अवकाश से संबंधित सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है। सरकार ने आपदा राहत कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए एसडीआरएफ की एक नई कंपनी की भी स्वीकृति प्रदान की है, जिसके तहत 162 नए पदों का सृजन किया गया है। पुलिस उपाधीक्षक सीधी भर्ती के तहत चयनित अभ्यर्थियों को वर्तमान में पीटीसी नरेंद्र नगर में प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। उप निरीक्षक के 222 पदों के साथ-साथ 2000 सिपाहियों की भर्ती भी प्रक्रियाधीन है।

मृतक पुलिस कर्मियों के परिवारों को सहयोग और संबल प्रदान करने के लिए इस साल मृतक आश्रित कोटे के तहत 136 आश्रित परिवारों को विभिन्न पदों पर नियुक्तियां प्रदान की है। राज्य में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तराखंड खेल नीति के तहत कुशल खिलाड़ियों के लिए पुलिस विभाग में विशेष कोटे के माध्यम से भर्तियों का प्रावधान भी किया है। मुख्यमंत्री ने पुलिस के उच्च अधिकारियों से आग्रह करते हुए कहा कि पुलिसकर्मियों के लिए समय - समय पर मानसिक स्वास्थ्य और तनाव प्रबंधन के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए।

सीएम ने कहा इस साल उत्तराखंड पुलिस ने कांवड़ यात्रा में लगभग 4 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं और चारधाम यात्रा में करीब 50 लाख से अधिक भक्तों को सुरक्षित और सुगम यात्रा एवं दर्शन कराने में अद्वितीय योगदान दिया है। वी।आई।पी कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के साथ ही राष्ट्रीय खेलों और राज्य में आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय कार्यक्रमों में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस ने सराहनीय कार्य किया। उन्होंने कहा राज्य में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे का सामना भी हमारी पुलिस ने अदम्य साहस और तत्परता से किया, जिससे कई लोगों की जान बचाई जा सकी।

आधुनिक युग में अपराध का स्वरूप बदल रहा है, पुलिस की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो रही है। चोरी, डकैती, हत्या और महिला अपराधों के साथ नशा और साइबर अपराध जैसे नए खतरों का भी सामना करना पड़ रहा है।

देहरादून निरंजनपुर मंडी में रॉकेट से दुकान में लगी आग, मची अफरा-तफरी

देहरादून, एजेंसी। कोतवाली पटेल नगर क्षेत्र के अंतर्गत दीपावली की रात निरंजनपुर सब्जी मंडी में एक दुकान में भीषण आग लग गई। आग लगने से आसपास के क्षेत्र में अफरातफरी का माहौल बन गया। आनन फानन में आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद तत्काल मौके पर पुलिस और दमकल विभाग की 2 गाड़ियां पहुंची और आग पर काफी मशक्कत के बाद काबू पाया। पुलिस अनुसार आग दीपावली के मौके पर रॉकेट आकर गिरा था, जिससे आग धधकी। फिलहाल पुलिस आग लगने की घटना की जांच कर रही है।

बताया जा रहा है कि बीती रात कोतवाली पटेल नगर क्षेत्र के अंतर्गत निरंजनपुर सब्जी मंडी के गेट संख्या एक के पास एक दुकान की छत पर रखी अंडों की खाली क्रेट में एक रॉकेट आकर गिर गया। जिसके कारण अंडे की खाली क्रेट में आग लग गई। आग लगने से आसपास अफरातफरी का माहौल बन गया और स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया।

कोतवाली पटेल नगर प्रभारी चंद्रभान अधिकारी ने बताया है कि सूचना के बाद दमकल विभाग की दो गाड़ियों ने करीब आधे घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। साथ ही घटना के संबंध में अग्रिम कार्रवाई जारी है। वही नगर अग्निशमन अधिकारी किशोर उपाध्याय ने बताया है कि देहरादून शहर में दीपावली की रात को 12 जगह आग लगी, जहां फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया है। गौर हो कि दीपावली पर्व पर प्रदेश के कई जगहों पर आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। जिसमें नैनीताल के ओल्ड लंदन हाउस भवन में एक बार फिर आग लग गई। आग लगने से 3 दुकानें जलकर राख हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। जबकि 27 अगस्त 2025 की रात्रि भी इसी भवन में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गई थी।

पौड़ी जनपद में भी दीपावली में आग लगने की घटना घटित हुई। बीती रात पौड़ी जिले के कोटद्वार में भी बावर्ची होटल में आग लग गई। आग लगने से मौके पर अफरातफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी की देखते ही देखते होटल को अपनी आगोश में ले लिया। सूचना पर मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर बमुश्किल काबू पाया। वहीं आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, पुलिस आग लगने के वास्तविक कारणों की पड़ताल कर रही है।

आयुर्वेद कोर्सों में इस बार सीटें भरने की चुनौती, अब तक 600 छात्रों ने किया प्रवेश के लिए आवेदन

देहरादून, एजेंसी। आयुर्वेद कोर्सों में इस बार सीटें भरने की चुनौती हैं। अब तक 600 छात्र-छात्राओं ने प्रवेश के लिए आवेदन किया है। 26 पैरामेडिकल कॉलेजों में आयुर्वेद कोर्स की तीन हजार से अधिक सीटें हैं।

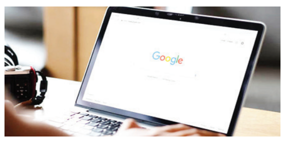

भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तराखंड के माध्यम से संचालित आयुर्वेद कोर्सों में इस बार सीटें भरने की चुनौती है। अब तक आयुर्वेद के विभिन्न पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए छह छात्र-छात्राओं ने आवेदन किया है। जबकि पैरामेडिकल कॉलेजों में तीन हजार से अधिक सीटें है। नवंबर के पहले सप्ताह में आवेदन करने वाले छात्रों की काउंसलिंग की जाएगी।

भारतीय चिकित्सा परिषद ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में आयुर्वेद फार्मासिस्ट, नर्सिंग, पंचकर्म सहायक, टेक्नीशियन, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहायक कोर्स में प्रवेश के लिए आयु सीमा छूट दी है। अब 42वर्ष की आयु वाले भी इन कोर्सों में दाखिला ले सकते हैं।

प्रदेश में परिषद से मान्यता प्राप्त 26 आयुर्वेद पैरामेडिकल कॉलेज संचालित हैं।

जौनसार बावर दसऊ पट्टी में पांच दिवसीय दिवाली शुरू मशालों के साथ चालदा महासू मंदिर में जुटे ग्रामीण

विकासनगर, एजेंसी। जौनसार बावर के आराध्य देव छत्रधारी चालदा महासू महाराज मंदिर दसऊ में पांच दिवसीय दिवाली का आगाज हो गया है। होले (मशालें) जलाकर पांच दिवसीय दिवाली की शुरुआत हुई। इस दौरान खत पट्टी दसऊ पशगांव के करीब 15 गांवों के लोग ढोल दमऊ की थाप पर मंदिर परिसर पंहुचे।

उत्तराखंड के देहरादून जिले के जौनसार बावर क्षेत्र मे खत पट्टी दसऊ पशगांव के मंदिर मे छत्रधारी चालदा महासू महाराज करीब दो सालों से अधिक समय से विराजित हैं। देवता के प्रति जौनसार बावर सहित हिमाचल ,गढ़वाल और अन्य क्षेत्रों के लोगों मे अटूट आस्था और विश्वास है। देवता के दर्शनों में प्रतिदिन सैकेड़ों की संख्या में श्रद्धालु शीश नवाते हैं।

सोमवार को चालदा महासू मंदिर दसऊ मे पांच दिवसीय दीवाली का आगाज हो गया है। खत पट्टी दसऊ के करीब 15 गांवों के लोग देर रात्रि में हाथों में भिमल की पतली लकड़ियों से बनाए गए होले (मशालें) जलाकर ढोल दमाऊ की थाप पर नाचते गाते मंदिर परिसर में पंहुचे। जहां लोक गीतों के साथ ही चालदा महाराज के जयकारे भी गुज्यमान रहे। इस बार की दिवाली खास है है। इसके बाद देवता अगले पड़ाव प्रवास यात्रा के लिए निकल जाएंगे। छत्रधारी चालदा महाराज का अगला पड़ाव हिमाचल प्रदेश के पश्मी में है।

छत्रधारी चालदा महाराज चलायमान देवता हैं। यह देवता एक स्थान पर एक-दो सालों तक रहते हैं। उसके बाद आगे की यात्रा शुरू हो जाती है। इस साल खत पट्टी दसऊ पशगांव में आखरी दिवाली मनाई जा रही है। जौनसार बावर क्षेत्र बावर क्षेत्र मे भी नई दीवाली मनाई जाती है। जौनसार क्षेत्र के अधिकांश खत पट्टियों में ठीक एक महिने बाद बूढ़ी दीवाली मनाई जाएगी।

बूढी दीवाली में चिवड़ा और अखरोट का बड़ा महत्व है। बूढ़ी दीवाली में नौकरी पेशा लोग भी छुट्टियां लेकर गांव आते हैं। अपनी पारम्परिक संस्कृति मे सराबोर होकर लोक गीतों की छटा बिखेरते हैं।

दिवाली पर सियासी मेलजोल! सरकार से संगठन तक मिले सीएम, पूर्व मुख्यमंत्रियों से मुलाकातों ने बटोरी सुर्खियां

देहरादून, एजेंसी। दिवाली का दिन उत्तराखंड के राजनीतिक गलियारों में काफी सुर्खियों में रहा। दिवाली के दिन सीएम धामी की पॉलिटिकल मुलाकातों ने खूब सुर्खियां बटोरी। इस दिन सीएम धामी ने कई पूर्व मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की। जिसके कई आसार निकाले गये। वहीं, इसके बाद सीएम धामी ने कई विधायकों से भी मुलाकात की। इसे भी पॉलिटिकल पंडितों ने कैबिनेट विस्तार से जोड़कर देखा। आइये आपको इन मुलाकातों के बारे में विस्तार से बताते हैं।

सीएम धामी की मुलाकातों का सिलसिला 19 अक्टूबर से शुरू हुआ। इसमें सीएम धामी ने सबसे पहले पूर्व सीएम तीरथ सिंह रावत से मुलाकात की। इसके बाद सीएम धामी भुवन चंद्र खंडूड़ी के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री की कुशलक्षेम जानी। इसके बाद सीएम धामी पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। सीएम धामी की इस मुलाकात की सबसे ज्यादा चर्चा हुई।

इसके बाद सीएम धामी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक से मुलाकात की। साथ ही सीएम धामी ने त्रिवेंद्र सिंह रावत और भगत सिंह कोश्यारी से भी मुलाकात की। इसके बाद सीएम धामी ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी से भी भेंट की।

पूर्व मुख्यमंत्रियों से मुलाकात के बाद सीएम धामी ने सरकार और संगठन के लोगों से भी मुलाकात की। इस कड़ी में सीएम धामी ने सबसे पहले कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने उत्तराखंड बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट से मुलाकात की।

इसके बाद सीएम धामी ने बीजेपी के विधायकों से भी मुलाकात की। इसमें मुन्ना सिंह चौहान, विनोद कंडारी, खजान दास जैसे नाम शामिल रहे।

देहरादून में आहूत होगा विधानसभा का विशेष सत्र विपक्ष ने तमाम मुद्दों पर घेरने की बनाई रणनीति

हल्द्वानी, एजेंसी। आगामी 9 नवंबर को उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के 25 साल पूरे हो जाएंगे. ऐसे में राज्य सरकार विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र आहूत करने जा रही है. ऐसे में विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में जुटा हुआ है. विपक्ष सरकार को कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और करोड़ों के विज्ञापन को लेकर घेर सकता है. 3 और 4 नवंबर को आहूत होगा दो दिवसीय विशेष सत्र- बता दें कि धामी सरकार आगामी 3 और 4 नवंबर को देहरादून में विधानसभा का दो दिवसीय विशेष सत्र बुलाने जा रही है. राज्यपाल गुरमीत सिंह की तरफ से अधिसूचना पर संस्तुति की जा चुकी है. अब विपक्ष सदन में सरकार को घेरने की रणनीति बनाने में जुट गया है. सरकार को घेरने के लिए विपक्ष ने बनाई रणनीति- विपक्ष प्रदेश की कानून व्यवस्था, भ्रष्टाचार और करोड़ों रुपए के विज्ञापन समेत तमाम मुद्दों पर सरकार को घेरने के लिए तैयार है. वहीं, नेता विपक्ष यशपाल आर्य ने सत्र से पहले सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए सदन में प्रश्नों को रखने की बात कही है. वहीं, नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बीजेपी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है. लोगों में डर का माहौल बना हुआ है.

कानून व्यवस्था पूरी चौपट हो चुकी है. सरकार के कहने के लिए कुछ बचा ही नहीं है. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में सिर्फ लूट मची हुई है. शहीदों का जो सपना उत्तराखंड राज्य बनाने का था, वो अभी तक पूरा नहीं हो सका है. सरकार ईमानदार है तो सदन में जवाब दें- इसके अलावा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी छवि चमकाने के लिए 1000 करोड़ रुपए के विज्ञापनों में खर्च कर रही है. यदि बीजेपी सरकार ईमानदार है तो वो इन सभी सवालों का जवाब सदन में दें. बीजेपी सरकार के चेहरे को बेनकाब करेगा विपक्ष- उन्होंने कहा 2 दिन के सत्र में वो अपनी बात को सदन में रखेंगे. विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वो जनता के बीच बीजेपी सरकार के चेहरे को बेनकाब करें. उन्होंने कहा कि यह दो दिन का सत्र सरकार की ताबूत में आखिरी कील साबित होगा. गौर हो कि इससे पहले गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में विधानसभा सत्र आहूत किया गया था. जो काफी हंगामेदार रही. जहां विपक्ष ने कानून व्यवस्था समेत तमाम मुद्दों को लेकर सदन में हंगामा कर दिया था. इस दौरान पर्चे तक उड़ाए गए. जबकि, सदन के भीतर विपक्ष रातभर बिस्तर डालकर पड़ा रहा. ऐसे में सदन की कार्यवाही सिर्फ दो दिन यानी 19 और 20 अगस्त को चल पाई।

देहरादून के घंटाघर के मुकाबले हल्द्वानी में कम प्रदूषण

13 से 27 अक्टूबर तक होगी एयर पॉल्यूशन की निगरानी

हल्द्वानी, एजेंसी। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से राज्य के अलग-अलग शहरों में वायु प्रदूषण की निगरानी की जा रही है। दीपावली को लेकर 13 से 27 अक्टूबर तक यह अभियान जारी रहेगा। अभी तक स्थिति को देखने पर पता चलता है कि देहरादून के घंटाघर क्षेत्र के मुकाबले हल्द्वानी के मुख्य शहर की स्थिति ठीक है। हल्द्वानी में प्रदूषण का स्तर बढ़ा तो है लेकिन दून के मुकाबले कम है। हालांकि, 13 से 18 अक्टूबर के बीच नैनीताल में प्रदूषण की मात्रा 23 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर जरूर बढ़ गई। देहरादून घंटाघर में 13 से 18 अक्टूबर के बीच हवा में जहरीले कण यानी पीएम-10 (पार्टिकुलेट मैटर) की मात्रा 113 से 171 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक पहुंच गई। जबकि हल्द्वानी में यह स्तर 99 से 111 तक पहुंचा है। वहीं, नैनीताल में 57 से 80 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर प्रदूषण की मात्रा दर्ज हुई है। पीसीबी के अनुसार 100 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर तक किसी को दिक्कत नहीं होती। लेकिन इसके बाद 101 से 200 की तरफ बढ़ने पर अस्थमा, फेफड़े संबंधी रोग, हृदय से जुड़े रोगियों संग बुजुर्गों को दिक्कत हो सकती है। अब देखना यह है कि दीपावली वाले दिन और उसके बाद क्या स्थिति रहेगी।

उत्तराखंड के 73 विद्यार्थी बनेंगे एनईपी जागरूकता के सारथी, 10 विश्वविद्यालय शामिल

हल्द्वानी, एजेंसी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी-2020) में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया गया है। जिसमें किताबी ज्ञान के साथ छात्र-छात्राओं का कौशल विकास करना मुख्य कड़ी है। लेकिन छात्रों के साथ ही प्राध्यापकों में भी कई प्रविधानों को लेकर भ्रम की स्थिति हैं। ऐसे में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एनईपी सारथी कार्यक्रम चला रहा है। इसमें विद्यार्थी अंबेसडर बनकर नीति से जुड़ी उलझनों को दूर कर रहे हैं। आयोग ने शुक्रवार को नई सूची जारी की है। इसमें प्रदेश से 73 छात्रों को शामिल किया गया है। दरअसल, स्टूडेंट्स एंबेसडर फार एकेडमिक रिफार्म्स इन ट्रांसफोर्मिंग हायर एजुकेशन इन इंडिया (सारथी) कार्यक्रम के तहत आयोग ने देशभर के 402 संस्थानों की सूची जारी की है। इसमें राज्यवार विश्वविद्यालयों और कालेजों से मनोनीत करीब 2374 विद्यार्थियों को एनईपी सारथी बनाया गया है। अंबेसडर बनाए गए छात्र-छात्राएं अपने संस्थान और क्षेत्र में एनईपी के प्रविधानों के बारे में जानकारी देंगे। इस सूची में उत्तराखंड के 10 विश्वविद्यालय शामिल हैं। जिनमें एक-एक केंद्रीय, डीम्ड टू बी और राज्य विश्वविद्यालय है। जबकि सात निजी विश्वविद्यालयों विद्यार्थियों के नाम हैं। वहीं, एक निजी कालेज है। इधर, प्रदेश में 11 राज्य विश्वविद्यालय हैं। लेकिन सिर्फ एक का प्रतिनिधित्व होना ही सवाल खड़े करता है ।

पिथौरागढ़ जिले में छड़ी यात्रा का भव्य स्वागत

पिथौरागढ़, एजेंसी। जूना अखाड़े की पारंपरिक और धार्मिक ऐतिहासिक महत्व रखने वाली छड़ी यात्रा बेरीनाग पहुंची. बेरीनाग पहुंचने पर छड़ी यात्रा का व्यापार संघ अध्यक्ष राजेश रावत के नेतृत्व में स्वागत किया गया. इस मौके पर महामंडलेश्वर स्वामी वीरेन्द्रानंद ने बताया छड़ी यात्रा उत्तराखंड के सभी तीर्थ स्थलों पर जाएगी. सनातन धर्म-संस्कृति का प्रचार-प्रसार करेगी.

उन्होंने कहा छड़ी यात्रा का मुख्य उद्देश्य धर्म संस्कृति को संरक्षित संवर्धित कर उसे मजबूत करना है. उत्तराखंड के दुर्गम क्षेत्रों से पलायन रोककर राज्य का विकास करना है. पवित्र छड़ी यात्रा भगवान शिव के प्राचीन निवास स्थल आदि कैलाश और ओम पर्वत तक जाएगी. छड़ी यात्रा का पिथौरागढ़ जिले में पहुंचने पर स्वागत किया गया. छड़ी यात्रा में शामिल महामंडलेश्वर श्रीश्री 1008

हिमालयन पीठाधीश्वर वीरेंद्रानंद महाराज ने बताया कि यह छड़ी यात्रा पिछले तीन हजार वर्षो से चल रही है. छड़ी यात्रा का चौकोड़ी, बेरीनाग, गंगोलीहाट, थल, डीडीहाट, अस्कोट और धारचूला में स्थानीय लोगों ने जोरदार स्वागत किया.

उन्होंने कहा छड़ी यात्रा सनातन का प्रतीक है. उन्होंने बताया छड़ी यात्रा 32 दिन की होती है. मुख्यमंत्री पुष्कर सिहं धामी ने इसकी पूजा अर्चना कर इसे रवाना किया था. इसके अलावा प्रदेश के मुख्य सचिव आनंद वर्द्धन ने हरिद्वार में तीन दिन पूजा अर्चना कर आगे को रवाना किया. 32 दिन की यात्रा के दौरान केदारखंड में यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ, तुंगनाथ आदि स्थानों से आगे बढ़ती है. जिसके बाद यह मानसखंड में प्रवेश करती है.

अब यह यात्रा मानसखंड में स्थित कुमाऊं में प्रवेश कर चुकी है. पवित्र छड़ी यात्रा आदि कैलाश और ओम पर्वत जाएगी. महामंडलेश्वर वीरेंद्रानंद महाराज ने कहा ऋषि मुनि केवल आध्यात्मिक चेतना को ही जागृत नहीं करते बल्कि समाज के उत्थान के लिए कार्य करते रहे हैं. ऋषि मुनियों ने हजारों वर्षो से हमेशा शिक्षा, स्वास्थ्य सहित कई उल्लेखनीय कार्यों के लिए लंबे अनुसंधान किए हैं. इसी को तप कहा जाता है।

नैनीताल की बर्निंग बिल्डिंग ओल्ड लंदन हाउस में फिर लगी आग, 3 दुकानें जलकर राख

नैनीताल, एजेंसी। शहर के ओल्ड लंदन हाउस नाम से प्रसिद्ध भवन में एक बार फिर आग लग गई. रात करीब 3 बजे ब्रिटिश कालीन भवन में आग लगने से हड़कंप मच गया. स्थानीय लोगों ने भवन में आग लगने की सूचना तत्काल दमकल विभाग और पुलिस को दी. मौके पर पहुंची दमकल विभाग और स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया. आग की चपेट में आने से करीब तीन दुकानें जलकर राख हो गई. एसपी सिटी डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है.

गौर हो कि एक माह पूर्व भी ओल्ड लंदन हाउस के एक हिस्से में आग लगी थी. जिसमें ओल्ड लंदन हाउस का करीब 70त्न हिस्सा जलकर राख हो गया था, जबकि एक बुजुर्ग महिला की आग में जलकर मौत हो गई थी. वहीं अब ओल्ड लंदन हाउस के दूसरे हिस्से में आग लगने से भवन पूरी तरह जलकर राख हो गया

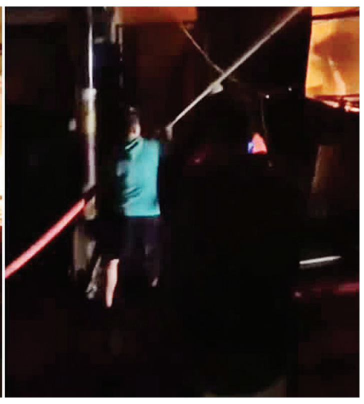

है. जबकि आग की चपेट में आने से फर्नीचर की दुकान व दो अन्य दुकानें जलकर राख हो गई. स्थानीय लोगों का आरोप है, जिस समय भवन में आग लगी दमकलकर्मी समय से पहुंचे, लेकिन पानी की व्यवस्था ना होने के चलते हैं आग पर काबू पाने में काफी समय लग गया.

जिसके चलते नैनीताल में एक फिर बड़ा हादसा देखने को मिला है. वहीं घटना के बाद से दमकल विभाग समेत प्रशासन की टीम मौके पर जुटी रही. एसपी सिटी डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है. फिर भी सुरक्षा को देखते हुए मौके पर दमकल की टीम को तैनात किया गया है. जिस घर में आग लगी है, वह पुराना व लकड़ियों से बना है. आतिशबाजी के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है.

बताते चलें कि 27 अगस्त 2025 की रात नैनीताल के मल्लीताल के मोहन चौराहे में करीब 10 बजे रात ओल्ड लंदन हाउस में अचानक आग लग गई थी. ओल्ड लंदन हाउस के भवन में कई अलग-अलग हिस्सेदार हैं. वहीं इसी भवन में इतिहासकार अजय रावत की बहन पक्ष के परिवार में निखिल और उनकी माता भी रहती थी. आग लगने की घटना में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई. आग लगने की सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मियों को आग बुझाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी और बमुश्किल आग पर काबू पाया गया था. साथ ही स्थानीय लोगों ने भी आग पर काबू पाने की कोशिश की थी, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि सबकुछ अपनी चपेट में ले लिया था. इस घटना में काफी नुकसान हुआ था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

मौलेखाल (अल्मोड़ा), एजेंसी। जीआईसी सल्ट में आठवें पोषण माह के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोषण, किशोरी शिक्षा, जैविक खेती और बच्चों के मानसिक विकास पर चर्चा हुई। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित भी किया गया। मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष भगवती तिवारी ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के कार्यों की सराहना की। बाल विकास परियोजना अधिकारी लीला परिहार ने कहा कि सही पोषण और टीकाकरण के कारण मातृ और शिशु मृत्यु दर में कमी आई है। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने दालों से रंगोली और जैविक सब्जियों की प्रदर्शनी लगाई। वेस्ट मटेरियल से तैयार शिक्षण मॉडल भी प्रदर्शित किए गए। उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सुजीत चौधरी, रविंद्र सत्यवली, ग्राम प्रधान आनंद भट्ट, चंद्रशेखर, सुपरवाइजर जानकी बिष्ट मौजूद रहे।

पंत प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी के लिए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत अब एक बार फिर मैदान पर उतरने के लिए तैयार हैं। लम्बे इंतज़ार के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आधिकारिक वापसी 30 अक्टूबर को होगी। पंत भारत ए टीम की कप्तानी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ पहले चार दिवसीय मैच में उतरेंगे। यह मुकाबला बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा।

- **चोट से उबरने के बाद नई शुरुआत–** जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान पंत को पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके बाद से वह मैदान से दूर थे। लगभग तीन महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद अब उन्होंने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें खेलने की अनुमति दे दी है। सूत्रों के मुताबिक, अक्टूबर की शुरुआत में पंत अपने रिकवरी के आखिरी चरण में थे और अब वे पूरी तरह से फिट माने जा रहे हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत– चोट के बाद पंत ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, बेंगलुरु में लंबा समय बिताया। वहां उन्होंने फिजियो और ट्रेनर्स की निगरानी में लगातार वजन प्रशिक्षण, बैलेंस और मूवमेंट एक्सरसाइज़ पर काम किया। पंत का पैर अब पूरी तरह से मजबूत हो चुका है और उन्होंने बल्लेबाज़ी और विकेटकीपिंग दोनों अभ्यास शुरू कर दिए हैं।

- **रणजी वापसी की योजना में बदलाव–** पहले ऐसा माना जा रहा था कि ऋषभ पंत 25 अक्टूबर से दिल्ली की ओर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच में खेलकर वापसी करेंगे। हालांकि अब यह योजना बदल गई है, क्योंकि भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच पहला चार दिवसीय मैच रणजी मुकाबले के खत्म होने के सिर्फ दो दिन बाद शुरू होगा। ऐसे में क्ष्टष्ट्ठ ने तय किया कि पंत की वापसी सीधे भारत ए टीम के साथ होनी चाहिए ताकि वह बड़े मंच पर अपनी लय पा सकें।

इस टीम के खिलाफ करेंगे कप्तानी

- **कप्तान के रूप में नई चुनौती–** बीसीसीआई ने न केवल ऋषभ पंत को टीम में शामिल किया है, बल्कि उन्हें कप्तानी की ज़िम्मेदारी भी दी है। इससे साफ है कि बोर्ड उनके अनुभव और नेतृत्व पर भरोसा कर रहा है। टीम में उनके उप-कप्तान होंगे साई सुदर्शन, जिन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

भारत ए टीम

पहला मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीसन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप–कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, अंशुल कंबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

दूसरा मैच के लिए टीम : ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप–कप्तान), देवदत्त पडिक्कल,
रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बराड़, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान

केशव महाराज के नाम सात विकेट, मेजबान 333 रन पर ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की टीम रावलपिंडी में जारी दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में महज 333 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक, सऊद शकील और कप्तान शान मसूद ने अर्धशतकीय पारियां खेलीं।रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम को 35 के स्कोर पर इमाम-उल-हक (17) के रूप में झटका लगा।

इसके बाद अब्दुल्ला शफीक ने कप्तान मसूद के साथ दूसरे विकेट के लिए 111 रन की साझेदारी करते हुए पाकिस्तान को संभाला। शफीक 146 गेंदों में चार चौकों की मदद से 57 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बाबर आजम (16) भी चलते बने। पाकिस्तानी टीम का जब तीसरा विकेट गिरा, उस समय तक स्कोर 167 रन था। यहां से कप्तान मसूद ने सऊद शकील के साथ चौथे विकेट के लिए 45 रन जुटाते हुए टीम को 200 के पार पहुंचा दिया। मसूद 176 गेंदों में 87 रन बनाकर आउट हुए। 246 के स्कोर तक पाकिस्तान ने मोहम्मद रिजवान (19) का विकेट भी गंवा दिया था। यहां से सलमान आगा ने सऊद शकील के साथ छठे विकेट के लिए 70 रन जुटाते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। आगा 45 रन बनाकर आउट हुए, जबकि शकील ने 66 रन टीम के खाते में जोड़े। पाकिस्तान की इस पारी में बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 42.4 ओवर गेंदबाजी की। इस दौरान उन्होंने 102 रन देकर 7 विकेट हासिल किए। उनके अलावा, साइमन हार्मर ने 2 सफलताएं हासिल कीं। शेष 1 विकेट तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अपने नाम किया।

पाकिस्तान ने दो मुकाबलों की सीरीज का पहला मैच 93 रन से अपने नाम करते हुए सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। ऐसे में मेजबान टीम की कोशिश इस मुकाबले को जीतकर 2-0 से क्लीन स्वीप करना होगा। दूसरी ओर, साउथ अफ्रीकी टीम इस मुकाबले को जीतकर सीरीज 1-1 से ड्रॉ करवाने की कोशिश करेगी।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया, सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

लंदन, एजेंसी। ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया।अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई। 43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी। हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा।

हाफटाइम पर जब टीमें मैदान से बाहर जा रही थीं, तो वेस्ट हैम के खिलाड़ियों को दर्शकों की हूटिंग का सामना करना पड़ा। इससे नाराज होकर कोच नूनो एस्पिरिटो सैंटो ने दूसरे हाफ की शुरुआत में ही तीन डिफेंसिव बदलाव किए, ताकि टीम को स्थिर किया जा सके। वेस्ट हैम कभी भी बराबरी का गोल करने की स्थिति में नजर नहीं आया। हैमर्स की निराशा तब और बढ़ गई जब मथियास जेन्सन ने स्टॉपेज टाइम (90+5) में ब्रेंटफोर्ड की जीत पक्की कर दी। ब्रेंटफोर्ड ने मुकाबले में 2-0 से लीड हासिल कर ली।

ऋतिक रोशन के साथ वर्षों बाद फिर दिखेंगे रजत बेदी

साल 2003 में 'कोई मिल गया' में ऋतिक रोशन के सामने मेन विलन के किरदार में एक्टर रजत बेदी नजर आए थे। अब खबरें हैं कि रजत वर्षों बाद 'कृष 4' में एक बार फिर वापसी करने वाले हैं और इस बार भी वो फिल्म के मुख्य खलनायक के रूप में नजर आ सकते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में जब रजत से उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने जो जवाब दिया, उसे सुनकर फैंस के मन में एक उम्मीद जरूर जाग गई है। अभिनेता ने मुस्कुराते हुए कहा कि वह खुद भी उम्मीद कर रहे हैं कि 'कृष 4' का हिस्सा बनें और अगर ऐसा हुआ, तो यह उनके करियर के लिए किसी बड़े पुनर्जन्म से कम नहीं होगा। रजत ने बताया कि उनके दिल में ऋतिक रोशन और राकेश रोशन के लिए बेहद सम्मान है और वह फिर से उनके साथ काम करने का मौका पाने के लिए दुआ कर रहे हैं। उन्होंने ऋतिक रोशन की तारीफ करते हुए कहा कि आज ऋतिक सिर्फ एक स्टार नहीं, बल्कि एक आइकॉनिक इंसान हैं। रजत के शब्दों में, वो एक ऐसे एक्टर हैं जिनसे किसी की तुलना नहीं की जा सकती- परफॉर्मेंस, लुक्स और डांस, हर चीज में वो बेस्ट हैं। रजत के इस बयान के बाद ही लोगों ने यह मान लिया कि कहीं न कहीं, वह इस फिल्म से जुड़ चुके हैं।

रजत ने ना हां कहा और ना मना किया

कृष 4 पर बात करते हुए रजत ने कहा, मैं तो दुआ कर रहा हूं कि ऐसा हो। अगर ऐसा कुछ हुआ, तो इससे बेहतर कुछ नहीं होगा। ऑडियंस मुझे और ऋतिक को दोबारा स्क्रीन पर साथ देखना चाहती है। मैं बस दुआ कर रहा हूं कि राकेश जी और ऋतिक के साथ काम करने का मौका मिले। मेरे दिल में उन दोनों के प्रति बहुत प्यार और सम्मान है।

दिवाली पर गैंस चैंबर बना दिल्ली-एनसीआर! आसमान में छाई जहरीली धुंध, आईक्यू 'बहुत खराब' श्रेणी, ग्रेप-2 लागू

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल गया है. राजधानी दिल्ली में दीपावली के बाद अब मौसम में भी बदलाव देखा जा रहा है. ठंड के साथ दिल्ली में प्रदूषण का स्तर भी बढ़ गया है. दीवाली के अगले दिन यानी आज से मौसम में बदलाव के संकेत दिख रहे हैं. यह बदलाव दिल्ली-एनसीआर सहित देश के कई राज्यों में देखने को मिलेगा. दिल्ली में कल अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहा. दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण स्तर ने फिर चिंता बढ़ा दी है. राष्ट्रीय राजधानी में ग्रेप-2 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान-2) के तहत सख्त नियम लागू हैं, लेकिन इसके बावजूद हवा की गुणवत्ता गंभीर स्तर पर पहुँच गई है. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सूचकांक 317 दर्ज किया गया है, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में आता है. मौसम विभाग के अनुसार, मंगलवार, 21 अक्टूबर 2025 को दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक रहने का अनुमान है. इस दौरान आसमान में धुंध भी देखने को मिलेगी. राजधानी दिल्ली में कल रात दिवाली पर चले पटाखे के बाद दिल्ली पूरी तरह से गैस चैंबर में तब्दील हो गई है. चारों तरफ प्रदूषण की चादर नजर आ रही है. मौसम विभाग की इमारत और राजधानी दिल्ली में आने वाले दिनों में दिल्ली की अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी गिरावट देखी जाएगी. केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी के अनुसार राजधानी दिल्ली में मंगलवार सुबह 7:00 बजे तक औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 350 अंक बना हुआ है जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 248 गुरुग्राम में 258 गाजियाबाद में 267 ग्रेटर नोएडा में 288 और नोएडा में 285 अंक बना हुआ है. राजधानी दिल्ली के अधिकांश सभी इलाकों में आईक्यू लेवल 300 से ऊपर और 400 के बीच में बना हुआ है.

दिल्ली में प्रदूषण पर बीजेपी-आप में रार!

आप के आरोप के बाद अमित मालवीय ने पंजाब सरकार को ठहराया जिम्मेदार, कहा- यह उनका धुआं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के लिए आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. एक्स पर एक पोस्ट में, उन्होंने दावा किया कि दिवाली या पटाखे नहीं, बल्कि पंजाब में पराली जलना दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण है. उन्होंने दिल्ली की खराब वायु गुणवत्ता के लिए आप को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि पराली जलाने के मामले में पार्टी की निष्क्रियता, पारंपरिक त्योहारों के आयोजनों की तुलना में प्रदूषण में अधिक योगदान देती है. अमित मालवीय ने एक्स पर लिखा, जब तक अरविंद केजरीवाल शासित पंजाब पराली जलाना बंद नहीं करता, दिल्ली और एनसीआर का दम घुटता रहेगा. आम आदमी पार्टी के पापों के लिए दीपावली को दोष देना बंद करें - यह उनका धुआं है, जो दिल्ली के आसमान को काला कर रहे हैं, न कि त्योहार के दीये या पटाखे. उनकी काली छाया अभी भी राजधानी पर मंडरा रही है. हवा हुई बहुत खराब- दिवाली के बाद, मंगलवार सुबह दिल्ली में घने और भारी धुंध की चादर छाई रही और एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) बहुत खराब श्रेणी में पहुंच गया. अधिकांश निगरानी केंद्रों को प्रदूषण के रेड जोन में चिह्नित किया गया. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, मंगलवार सुबह 10 बजे तक दिल्ली का औसत एक्यूआई 359 रहा. कई इलाकों में गंभीर श्रेणी में आईक्यू : सीपीसीबी के अनुसार, सुबह 10 बजे तक बवाना में एक्यूआई 432 दर्ज किया गया. वहीं जहांगीरपुरी में एक्यूआई 405, अशोक विहार में एक्यूआई 408 और वजीरपुर में एक्यूआई 408 के साथ सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बना हुआ है, जहां एक्यूआई गंभीर श्रेणी में है. दरअसल, 0-50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51-100 के बीच को संतोषजनक, 101-200 के बीच को मध्यम, 201-300 के बीच को खराब, 301-400 के बीच को बहुत खराब और 401-500 के बीच एक्यूआई को गंभीर माना जाता है. दिवाली के बाद वायु प्रदूषण बढ़ने से दिल्ली के लोगों में सांस लेने में कठिनाई और आंखों में जलन जैसी समस्याएं सामने आईं. सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में आतिशबाजी पर प्रतिबंध में ढील दी थी और कुछ शर्तों के साथ ग्रीन पटाखों की बिक्री और उपयोग की अनुमति दी थी.

नक्सलवाद को अगले साल मार्च तक समाप्त कर दिया जाएगा : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस स्मृति दिवस कार्यक्रम में भाग लिया. वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सिंह ने राष्ट्र की सेवा में पुलिसकर्मियों द्वारा दिए गए सर्वोच्च बलिदान का सम्मान किया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर भारत के पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और देश की सुरक्षा बनाए रखने में उनके साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की. एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, पुलिस स्मृति दिवस पर हम अपने पुलिसकर्मियों के साहस को सलाम करते हैं और कर्तव्य पथ पर उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हैं. उनका दृढ़ समर्पण हमारे देश और लोगों को सुरक्षित रखता है. संकट के समय और जरूरत के समय में उनकी बहादुरी और प्रतिबद्धता सराहनीय है. इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, नक्सलवाद लंबे समय से हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए एक समस्या रहा है लेकिन हम इस समस्या को बढ़ने नहीं देंगे. हमारी पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ, सभी अर्धसैनिक बलों और स्थानीय प्रशासन का सहयोगात्मक कार्य सराहनीय है. पूरे देश को विश्वास है कि अगले साल तक यह समस्या समाप्त हो जाएगी. वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या भी बहुत कम है, और उन्हें भी अगले साल मार्च तक समाप्त कर दिया जाएगा. रक्षा मंत्री ने आगे कहा, जो इलाके कभी नक्सलियों के आतंक से थर्राते थे, अब वहां सड़कें, अस्पताल, स्कूल और कॉलेज हैं. जो इलाके पहले नक्सलियों के गढ़ थे, वे अब शिक्षा के गढ़ बन गए हैं.

भारत के जो इलाके रेड कॉरिडोर के रूप में कुख्यात थे, वे अब विकास के गलियारों में तब्दील हो रहे हैं. सरकार ने जो बदलाव हासिल किया है, उसमें हमारे पुलिस बल और सुरक्षाकर्मियों का अहम योगदान है. सुरक्षाकर्मियों के अथक प्रयासों की बदौलत यह समस्या अब इतिहास बनती जा रही है. उन्होंने कहा, हमने अपने पुलिस बलों पर भी ध्यान केंद्रित किया है जो राष्ट्र की सुरक्षा के लिए समर्पित हैं. यह बहुत खेद की बात है कि लंबे समय तक, एक समाज और एक राष्ट्र के रूप में हमने अपनी पुलिस के योगदान को पर्याप्त मान्यता नहीं दी.

हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच कर्मियों को मुक्त किया

सना, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों ने यमन के पांच संयुक्त राष्ट्र (यूएन) कर्मचारियों को रिहा कर दिया. विद्रोहियों ने 15 अंतरराष्ट्रीय कर्मियों को सना स्थित यूएन परिसर में स्वतंत्र रूप से आने-जाने की अनुमति दी. संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि हूती सुरक्षा बल परिसर से हट गए हैं. बता दें कि हूती लंबे समय से यूएन और अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों को निशाना बनाते रहे हैं. उन पर जासूसी के आरोप भी लगे हैं जिन्हें यूएन ने खारिज किया है. कर्मियों को मुक्त करने के अलावा हूती विद्रोहियों ने अपने सैन्य प्रमुख मेजर जनरल मोहम्मद अब्दुल करीम अल-गमारी का अंतिम संस्कार भी किया।गमारी हाल ही में इस्राइली सेना के हवाई हमले में मारे गए थे। हजारों लोग सना की सड़कों पर दिखे और इस्राइल के खिलाफ नारे भी लगाए। हूती समर्थित मीडिया के अनुसार, अल-गमारी के अलावा उनके 13 वर्षीय बेटे और कई सहयोगी भी मारे गए। बता दें कि अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने अल-गमारी पर कई प्रतिबंध लगाए थे। गमारी पर यमन और सऊदी अरब पर हमलों के संचालन का आरोप भी लगा था।

बोलिविया में पलटी सत्ता

रॉड्रिगो पाज की ऐतिहासिक जीत; अमेरिका के साथ रिश्तों में करेंगे नई शुरुआत?

सूक्रे, एजेंसी। बोलिविया में बीते 20 वर्षों में पहली बार एक दक्षिणपंथी नेता राष्ट्रपति चुने गए हैं। रॉड्रिगो पाज ने रविवार को हुए चुनाव में 54.5% वोट पाकर चौंकाने वाली जीत दर्ज की। यह नतीजा देश में लंबे समय से चली आ रही वामपंथी सरकार के युग के अंत का संकेत भी माना जा रहा है। अपनी जीत के बाद पाज ने सोमवार को कहा कि वह अमेरिका के साथ रिश्ते सुधारने और विदेशी निवेश लाने पर ध्यान देंगे। उन्होंने वॉशिंगटन के साथ पहले से बातचीत शुरू कर दी है ताकि 8 नवंबर को पदभार संभालने के बाद ईंधन की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। **अमेरिका के साथ नए संबंधों की शुरुआत-** अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाज की जीत को दोनों देशों के लिए एक नए युग की शुरुआत बताया। पाज ने भी कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने सहयोग के स्पष्ट संकेत दिए हैं और अब दोनों देश निवेश, सुरक्षा और आव्रजन जैसे मुद्दों पर मिलकर काम करेंगे।

तेल की किल्लत और बिगड़ी अर्थव्यवस्था

बोलिविया की अर्थव्यवस्था गहरे संकट में है। देश के केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा लगभग खत्म हो चुकी है, जिससे पेट्रोल और डीजल जैसी जरूरी चीजों का आयात मुश्किल हो गया है। शहरों में ईंधन के लिए लंबी लाइनें लग रही हैं और सितंबर में महंगाई दर 23% तक पहुंच गई, जो 1991 के बाद सबसे ज्यादा है। चुनाव में पाज ने अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज तूतो किरोगा को हराया, जो आईएमएफ से कर्ज लेकर आर्थिक संकट सुलझाना चाहते थे। पाज ने इस विचार को ठुकरा दिया क्योंकि बोलिविया में अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रति अविश्वास गहरा है।

पेंसिल्वेनिया कॉलेज परिसर में यौन उत्पीड़न के दोषी को सजा का इंतजार

2013 में हुआ था जघन्य अपराध

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया के गेटीसबर्ग कॉलेज में करीब 12 साल पहले जघन्य अपराध हुआ था। 2013 में हुए यौन उत्पीड़न के इस मामले में आरोपी इयान क्लीरी (32) को अदालत ने दोषी पाया है। अब उसे सजा सुनाई जानी है। क्लीरी ने पीड़िता से दुष्कर्म का जुर्म कबूल कर लिया है। देश के कानून के मुताबिक उसे चार से आठ साल की सजा हो सकती है। घटना के बाद क्लीरी कॉलेज छोड़कर कैलिफोर्निया चला गया था। यहां उसने पढ़ाई पूरी करने के बाद टेस्ला में काम भी किया। कई वर्षों बाद उसने फेसबुक पर पीड़िता को संदेश भेजा जिससे इस जघन्य अपराध का मामला एक बार फिर प्रकाश में आया। 2021 में आई समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के बाद जांच में तेजी आई। क्लीरी को 2024 में फ्रांस से प्रत्यर्पित किया गया।

RNIUTTHIN/2011/41757

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक जयदीप कुमार भट्ट द्वारा दिशा ग्राफिक्स प्रिंटर्स, 43 अम्बेदकर रोड, चूक्खुवाला, ब्लाक 2, देहरादून उत्तराखंड से मुद्रित कराकर, विलेज गुमानीवाला, ऋषिकेश, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित किया।

सम्पादक
जयदीप कुमार भट्ट
मो. 8979878444

किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र ऋषिकेश न्यायालय ही मान्य होगा।

Email
jdpbhtt99@gmail.com